चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 67 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

# अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 01 अप्रैल 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

# उत्तर-पूर्व में नए युग की शुरूआत

## केंद्र ने असम, नगालैंड व मणिपुर में दशकों बाद अफ्स्पा का क्षेत्र घटाया, शाह ने बताया ऐतिहासिक फैसला

### आखिर AFSPA क्यों लागू हुआ, कब से लागू हुआ?

- यह अंग्रेजों के दौर का एक्ट है। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू होने पर इसे लाया गया।
- एक्ट लागू होने के बाद 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं को अरेस्ट किया गया।
- आजादी के बाद नेहरू ने इसे 'डिस्टर्ब्ड एरिया' में लागू रखा। बाद में इसे नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में लागू किया गया।
- पंजाब, कश्मीर में भी लागू हुआ लेकिन पंजाब से साल 2008 में इसे हटा लिया गया।
- इसका मकसद राज्य में उग्रवादियों को रोकना और लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन रखना है।

**नई दिल्ली:** केंद्र सरकार ने उत्तर पूर्वी राज्यों की दृष्टि से बड़ा कदम उठाते हुए असम, नगालैंड व मणिपुर से सशस्त्र बल विशेषाधिकार कानून का क्षेत्र सीमित करने का फैसला किया है। यह विशेष कानून अब इन राज्यों के कुछ खास इलाकों तक सीमित रहेगा। इसका क्षेत्र घटा दिया गया है। उत्तर-पूर्व के राज्यों से इस कानून को हटाने के लिए लंबे समय से मांग हो रही है। हालांकि केंद्र ने अभी इसे पूरी तरह हटाने की बजाए कुछ गड़बड़ी वाले क्षेत्रों तक सीमित करने का फैसला किया है।

**गृह मंत्री अमित शाह ने दी उत्तर-पूर्व की जनता को बधाई:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दशकों से उपेक्षित महसूस कर रहे उत्तर-पूर्वी राज्यों के प्रति पीएम नरेंद्र मोदी की वचनबद्धता के कारण वहां शांति, समृद्धि व विकास का नया युग नजर आ रहा है। इस मौके पर मैं उत्तर-पूर्व की जनता को बधाई देता हूं। अमित शाह ने ट्वीट कर पीएम को धन्यवाद दिया। लिखा- पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। हमारा पूर्वोत्तर क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षित था, अब शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के एक नए युग का गवाह बन रहा है। मैं इस महत्वपूर्ण अवसर पर पूर्वोत्तर के लोगों को बधाई देता हूं। अफ्स्पा के तहत क्षेत्रों में कमी सुरक्षा की स्थिति में सुधार और प्रधानमंत्री द्वारा उत्तर पूर्व में स्थायी शांति लाने और उग्रवाद को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयासों और कई समझौतों के कारण तेजी से विकास का परिणाम है। नरेंद्र मोदी जी ने दशकों बाद नागालैंड, असम और मणिपुर राज्यों में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम के तहत अशांत क्षेत्रों को कम करने का निर्णय लिया है।

**सुरक्षा के हालात सुधरे, शांति समझौते का असर:** गृह मंत्री ने कहा कि अफस्पा के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में कमी इन राज्यों में सुरक्षा की स्थिति में सुधार, तेजी से विकास व तमाम शांति समझौतों के कारण हो सकी है। उत्तर पूर्व में मोदी सरकार ने शांति बहाल की है।

**सोनोवाल बोले, शांति, प्रगति और सुरक्षा का एक नया युग:** इस पर केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, बहुत ही स्वागत योग्य निर्णय। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने उत्तर पूर्व में शांति, प्रगति और सुरक्षा का एक नया युग लाया है। अफ्स्पा के तहत क्षेत्रों में कमी से क्षेत्र में तेजी से विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा।

**रिजिजू ने कहा, फैसला हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है:** केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह फैसला हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शांति और विकास दो समानांतर रास्ते हैं। विकास के बिना शांति कायम नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे पूर्वोत्तर के लिए शांति और विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। पूर्वोत्तर में अफ्स्पा क्षेत्र की कमी एक ऐतिहासिक निर्णय है।

गृह मंत्री और प्रधानमंत्री ने कई कदम उठाए हैं। अरुणाचल प्रदेश ने तीन जिलों को छोड़कर बहुत पहले ही अफ्स्पा हटा दिया था। यह निर्णय दर्शाता है कि पूर्वोत्तर में शांति का युग आ गया है।

**फैसले का तहे दिल से स्वागत: सीएम हिमंत-** वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मैं 9 जिलों और एक सब-डिवीजन को छोड़कर असम के सभी क्षेत्रों से अफ्स्पा वापस लेने के पीएम मोदी के फैसले का तहे दिल से स्वागत करता हूं। मैं इस साहसिक निर्णय के लिए गृह मंत्री शाहो के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

### अभी तक इन जगहों पर लागू है अफ्स्पा

**अफ्स्पा** कानून असम, मणिपुर, त्रिपुरा, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर समेत कई हिस्सों में लागू किया गया था। हालांकि बाद में कई इलाकों से इसे हटा भी दिया गया।

**विरोध में हुई थीं ये घटनाएं:** अफ्स्पा के विरोध का जिक्र हो तो सबसे पहले मणिपुर की आयरन लेडी भी कही जाने वाली इरोम शर्मिला का जिक्र होता है। नवंबर 2000 में एक बस स्टैंड के पास दस लोगों को सैन्य बलों ने गोली मार दी थी। इस घटना के वक्त इरोम शर्मिला वहीं मौजूद थीं। इस घटना का विरोध करते हुए 29 वर्षीय इरोम ने भूख हड़ताल शुरू कर दी थी, जो 16 साल चली। अगस्त 2016 में भूख हड़ताल खत्म करने के बाद उन्होंने चुनाव भी लड़ा था, जिसमें उन्हें नोटा से भी कम वोट मिले।10-11 जुलाई 2004 की दरमियानी रात 32 साल की थंगजाम मनोरमा का कथित तौर पर सेना के जवानों ने रेप कर हत्या कर दी थी। मनोरमा का शव क्षत-विक्षत हालत में बरामद हुआ था।

### नगालैंड में 14 मौतों के बाद तेज हो गई थी मांग

**पिछले** साल 4 दिसंबर को नगालैंड के मोन जिले में आर्म्ड फोर्सेज ने एक गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। उन्हें शक था कि गाड़ी में मिलिटेंट बैठे हैं, जबकि उस गाड़ी में मजदूर सवार थे जो मजदूरी करके लौट रहे थे। इसमें 14 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद नॉर्थ ईस्ट के मणिपुर, मेघालय और असम में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। लोगों की एक ही डिमांड थी कि आर्म्ड फोर्सेज स्पेशल पावर्स एक्ट 1958 को हटाया जाए। यही वो एक्ट है जो आर्म्ड फोर्सेज को संदिग्ध पर गोली चलाने, तलाशी लेने, छापा मारने और हिरासत में लेने जैसे तमाम अधिकार देता है। मणिपुर के सीएम और उनके कैबिनेट मंत्री भी खुलकर इस एक्ट के विरोध में आ गए थे। इस घटना के बाद आर्म्ड फोर्सेज में सीनियर पोजिशन पर रहे दो एक्सपर्ट्स से बात कर जाना था कि यह एक्ट क्या है और ये जरूरी क्यों है। इस एक्ट में आर्म्ड फोर्सेज को स्पेशल पावर मिलते हैं। वे संदिग्ध को गोली मार सकते हैं। बिना वारंट के छापा मार सकते हैं। पूछताछ कर सकते हैं और संदिग्ध को हिरासत में भी रख सकते हैं। पुलिस मुकदमा जरूर दर्ज कर सकती है, लेकिन मामला न्यायालय में नहीं ले जा सकती। केंद्र सरकार चाहे तो जरूर कार्रवाई कर सकती है।

**भारत में कैसे लागू हुआ?:** भारत छोड़ो आंदोलन की काट में यह एक्ट साल 1942 में अंग्रेज लाए थे। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसे जारी रखने का फैसला किया और 1958 एक्ट के रूप में नोटिफाई किया। नॉर्थ-ईस्ट राज्यों सहित जम्मू-कश्मीर, पंजाब में भी इसे लागू किया जा चुका है।

## तीन महीनों में होगा कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव: कमलनाथ

**भोपाल:** पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस नेतृत्व पर उठ रहे सवालों पर पार्टी गंभीरता से ले रही है। तीन महीने में पार्टी के संगठन चुनाव हो जाएंगे। नया अध्यक्ष भी सामने आ जाएगा। आप बड़ा बदलाव देखेंगे। यह दावा वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने किया है। अपने घर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा जी23 मेरे से बहुत नजदीकी हैं। मेरे कई साल से साथी रहे हैं। उनकी ऐसी कोई डिमांड नहीं थी, जो पूरी नहीं हो सकती। उनकी जो डिमांड थी, सभी स्वीकार कर ली गई। चुनाव कराने की डिमांड थी, चुनाव हो रहे हैं। मेंबरशिप सही किए बिना चुनाव नहीं हो सकते। तीन महीने में चुनाव हो जाएंगे। इसमें सब बात सामने आ जाएगी। यह दिल्ली, भोपाल, बेंगलुरू, मुंबई में बैठकर देश की बात करने वाले लोग गांव और कस्बों को नहीं समझते। हमें इस पर सोचना पड़ेगा।

**क्या है कांग्रेस का जी-23:** कांग्रेस के 23 नेताओं ने नेतृत्व के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। पार्टी में संगठन स्तर पर बदलाव की मांग की है।

## जयपुर को दहलाने की साजिश नाकाम

### राजस्थान में 3 आतंकियों से मिला 12 किलो आईडी

**रतलाम:** जयपुर को सीरियल बम ब्लास्ट से दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम हो गई है। राजस्थान पुलिस ने बुधवार शाम को चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में मध्यप्रदेश के सूफा संगठन के 3 कट्टरपंथियों को गिरफ्तार किया है। इनकी कार से बम बनाने का सामान, टाइमर और 12 किलो आईडी बरामद हुआ है। आरोपी निंबाहेड़ा में बम बनाकर दूसरी गैंग को देने वाले थे, जो जयपुर में 3 जगह सीरियल ब्लास्ट करने वाला था। साजिश को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। देशद्रोह के मामले में कुख्यात सूफा संगठन 2012-13 में मध्यप्रदेश के रतलाम में एक्टिव हुआ था। कई साल तक शांत रहने के बाद यह आतंकी संगठन दोबारा आतंकी वारदात की फिराक में है।

**आतंकियों के स्लीपर सेल की तरह काम करता है सूफा:** सूफा कट्टरपंथी सोच के 40-45 युवकों का इस्लामिक संगठन है। यह आतंकियों के स्लीपर सेल की तरह काम करता है। यह संगठन समाज में कट्टरपंथी सोच और तौर-तरीकों का हिमायती है। इसने मुस्लिम समाज की शादियों और दूसरे कार्यक्रमों को हिंदू रीति-रिवाज बताकर विरोध किया था।

**राजस्थान और मध्य प्रदेश एटीएस करेगी आतंकियों से पूछताछ:** आतंकियों से पूछताछ के लिए उदयपुर और जयपुर एटीएस की टीम निंबाहेड़ा पहुंची। मध्यप्रदेश की एटीएस भी इनसे पूछताछ करने पहुंचने वाली है।

उदयपुर आईजी हिंगलाज दान ने बताया कि आरोपियों के नाम जुबेर, अल्तमस और सरफुद्दीन उर्फ सैफुल्ला हैं। ये रतलाम से भागकर निंबाहेड़ा के पास रानीखेड़ा में रह रहे थे।

### मार्च में मई-जून जैसी भीषण गर्मी

**नई दिल्ली:** देशभर के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस साल मार्च के महीने में पूरे देश में गर्मी का प्रचंड मार्च जारी रहा। मार्च में ही मई-जून जैसी गर्मी महसूस होने लगी है। ऐसा पहली बार है मार्च में लगातार तीसरे दिन सभी मैदानी राज्यों के शहरों में पारा 40 डिग्री के पार हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने बताया है कि गुरुवार यानी आज दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

## संसद में सोनिया ने उठाई 'मनरेगा' से जुड़ी चार मांग

**नई दिल्ली:** कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में मनरेगा योजना को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए चार मांगे रखीं। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले कई लोगों ने महात्मा गांधी मनरेगा का मजाक उड़ाया था,उसी मनरेगा ने कोरोना और लॉकडाउन में करोड़ों प्रभावित गरीबों को ठीक समय पर मदद करते हुए सरकार की बचाव में सकारात्मक भूमिका निभाई। फिर भी मनरेगा के लिए आवंटित बजट में लगातार कटौती की जा रही है। कटौती के कारण मजदूरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

**सोनिया ने लोकसभा में रखी चार मांग:** सोनिया ने कहा कि मैं केंद्र सरकार से आग्रह करती हूं कि मनरेगा के लिए उचित आवंटन किया जाए,काम के 15 दिनों के भीतर कामगारों को मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित हो, मजदूरी भुगतान में देरी की स्थिति में कानूनी तौर पर मुआवजे का भुगतान सुनिश्चित हो। राज्यों की वार्षिक कार्य योजनाओं को बिना किसी देरी के निर्धारित किया जाए।

**अनुराग ठाकुर ने किया पलटवार:** अनुराग ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि साल 2013-14 में यूपीए सरकार के दौरान आवंटित बजट भी उपयोग नहीं हो पाता था। इस दौरान 30 हजार करोड़ रुपये उपयोग नहीं किए गए जो कि जनता की भलाई के लिए थे। कांग्रेस के शासन काल में भ्रष्टाचार चरम पर था। ठाकुर ने आगे कहा कि पीएम मोदी द्वारा चलाई जा रही जन धन योजना की वजह से आज मजदूरों के खाता में पैसे सीधे ट्रांसफर किए जा रहे हैं।

## सीएम योगी का भ्रष्टाचार पर बड़ा एक्शन, सोनभद्र डीएम निलंबित

**लखनऊ:** योगी आदित्यनाथ ने दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक सप्ताह के भीतर भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने सोनभद्र जिलाधिकारी (डीएम) टीके शिबू को खनन मामले में अनियमितता के आरोप में निलंबित कर दिया है। 2012 बैच के आईएएस अधिकारी टीके शिबू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सीएम योगी ने स्पष्ट कर दिया है कि पूर्व की भांति ही भष्टाचार पर जीरो टालरेंस की नीति इस कार्यकाल में भी सक्ती से लागू रहेगी। इस कार्रवाई के बाद डीएम के ऊपर विभागीय जांच बैठा दी गई है। वाराणसी के कमिश्नर को पूरे मामले की जांच सौंपी गई है। उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से कहा गया है कि सोनभद्र जिलाधिकारी टीके शिबू के विरुद्ध जिले में खनन और अन्य निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही थी।

इसके अलावा इनके खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी करप्शन करने की शिकायत की थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान भी जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में भी उन्होंने लापरवाही बरती थी।

## धामी कैबिनेट: मंत्रालय बंटे अब नौकरशाही में होगा फेरबदल

**देहरादून:** अपने मंत्रियों को मंत्रालय बांटने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अब आने वाले कुछ दिनों में नौकरशाही फेरबदल की कवायद को अंजाम देंगे। नई सरकार के गठन के बाद से मुख्यमंत्री सचिवालय से लेकर शासन स्तर पर नौकरशाहों को बदलने की चर्चाएं हैं। पुलिस विभाग में भी बदलाव दिखाई दे सकता है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री बदलाव की शुरूआत शासन स्तर से करेंगे। इसका होमवर्क शुरू हो गया है। कतिपय अधिकारियों ने भी तैनाती के लिए मुख्यमंत्री और मंत्रियों की परिक्रमा शुरू कर दी है। पहले आईएएस अफसरों, प्रांतीय सेवा के अधिकारियों में बदलाव होगा और उसके बाद भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के भी तबादले हो सकते हैं।

**मुख्यमंत्री भी नए अवतार दिखेंगे:** अपने पहले कार्यकाल में रक्षात्मक दिखाई देने वाले मुख्यमंत्री धामी अब इस बार नए अवतार में दिखेंगे। सूत्र बता रहे हैं कि उनकी दूसरी पारी ज्यादा आक्रामक होने जा रही है। वे अफसरों की ऐसी टीम तैयार कर रहे हैं जो परिणाम दे सके।

## 1 अप्रैल से बड़े बदलाव: होम लोन के ब्याज पर सब्सिडी खत्म

### निवेश पर भी कैंची, हाईवे पर चुकाना होगा ज्यादा टैक्स, प्रसाद और इफ्तार दोनों पर दिखेगा असर: पूजा से फलाहार तक का सामान हुआ महंगा

**नई दिल्ली:** एक अप्रैल यानी आज से वित्त वर्ष 2022-23 शुरू हो रहा है। इसके साथ ही कई नियम भी बदल जाएंगे। इनका असर हमारी कमाई, खर्च और निवेश पर पड़ेगा।

**प्रॉविडेंट फंड:** जिन कर्मचारियों ने पीएफ अकाउंट में 2.5 लाख रुपए से ज्यादा जमा किया है, उन्हें ब्याज पर इनकम टैक्स देना होगा। टैक्स कैलकुलेशन के लिए अमाउंट को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। एक में छूट वाला योगदान, तो दूसरे में 2.5 लाख रुपए से ज्यादा का योगदान रहेगा, जो टैक्सेबल होगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह सीमा 5 लाख रुपए रहेगी।

**किफायती घर:** अगर आपने पहली बार किफायती घर खरीदा है, तो चुकाए गए ब्याज पर धारा 80 के तहत 1.5 लाख की अतिरिक्त कटौती का लाभ नहीं मिलेगा। घर की कीमत 45 लाख से कम है, तो अब तक ब्याज भुगतान में डेढ़ लाख तक की कटौती का दावा कर सकते थे। यह कटौती या छूट धारा 24 इ के तहत मिल रही 2 लाख रुपए की छूट के अलावा थी। यह लाभ उन्हीं टैक्सपेयर्स के लिए था, जिन्होंने घर खरीदने के लिए 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2022 के बीच कर्ज लिया हो।

**क्रिप्टोकरेंसी:** वर्चुअल करेंसी पर भी 1 अप्रैल से कर संबंधी स्पष्ट नियम लागू होंगे। वर्चुअल डिजिटल एसेट्स या क्रिप्टो पर 30% टैक्स लगेगा। किसी व्यक्ति को क्रिप्टो करेंसी बेचने पर फायदा होता है, तो उसे टैक्स देना होगा। बिक्री पर 1 जुलाई से 1% टीडीएस भी काटा जाएगा।

**दवाएं:** नए फाइनेंशियल ईयर में हेल्थकेयर भी महंगा हो जाएगा। करीब 800 लाइफ सेविंग ड्रग्स के दाम 10% तक बढ़ेंगे, जिससे इलाज के खर्च में बढ़ोतरी होगी।

## जेब पर तेल का बोझ बढ़ना जारी

### 9वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम; चुनाव के बाद कुल 6.40 रुपए की बढ़ोतरी

**नई दिल्ली:** पेट्रोल-डीजल के दाम गुरुवार को 10 दिन में 9वीं बार बढ़े। गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के दाम में 80-80 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले बुधवार को भी 80-80 पैसे की बढ़ोतरी हुई थी। पिछले 10 दिन के दौरान पेट्रोल और डीजल के दाम अब तक 6.40-6.40 रुपए प्रति लीटर बढ़ चुके हैं। इससे सरकार की तरफ से नवंबर में दिवाली के मौके पर दिया गया पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती का लाभ भी खत्म हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की कीमत 101.81 रुपये प्रति लीटर और

93.07 रुपये प्रति लीटर (80 पैसे की बढ़ोतरी) हो गई है। वहीं, मुंबई में पेट्रोल-डीजल की कीमत 84 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 116.72 रुपए प्रति लीटर और 100.94 रुपए है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 107.45 रुपए (76 पैसे की बढ़ोतरी) और डीजल की कीमत 97.52 रुपए (76 पैसे की बढ़ोतरी), कोलकाता में 83 पैसे की बढ़ोतरी के साथ पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपए और डीजल की कीमत 96.22 रुपए हो गई है।

## खबर संक्षेप

### विद्युत कटौती को लेकर चंपापुर पावर हाउस के उपभोक्ताओं में आक्रोश

**जंघई।** क्षेत्र के चंपापुर फीडर से दर्जनों गावों में विद्युत आपूर्ति होती है इन गाँव के हजारों लोग इन दिनो बिजली के अनियमित कटौती से हैरान व परेशान है। विद्युत कटौती रात्रि और दिन में भी की जा रही है जिसके कारण ग्रामीण बेचैन है नियमानुसार बिजली न आना बार बार बिजली कटौती से ग्रामीणों को इस उमस भरी गर्मी मे रात भर जागने के लिए विवश कर रहा है।किसानों को अपनी फसलों को सिंचाई करने में समस्या आ रही है ग्रामीणों ने विद्युत कटौती रोकने की मांग की है।अनियमित रोस्टर से ग्रामीणों में आक्रोश है बार बार अधिकारियों से नियमित रोस्टर करने के लिए कहा जाता है लेकिन अनसुना कर देते है जिसके कारण ग्रामीणों मे असंतोष व्याप्त है।चंपापुर फीडर से जंघई, चौका, चनेथू, नेदुला, पतवां, पतैंया, जलालपुर, रस्तीपुर, सोरों, खखैचा, महरछा, झारी, पिलखिनी, भूलेंद्र, अनुवां, बजती, बघेड़ी, सरजूपट्टी आदि गाँवों में विद्युत सप्लाई होती है। ग्रामीणों ने कहा है कि अगर विद्युत आपूर्ति सुचारू ढंग से नहीं होगी तो उपभोक्ता पावर हाउस पर प्रदर्शन करेंगे।

# मालगाड़ी के आगे कूद युवक ने की खुदखुशी

अखंड भारत संदेश

**हनुमानगंज।** क्षेत्र के सुदनीपुर कला रेलवे क्रॉसिंग के निकट मालगाड़ी के आगे कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली सूचना मिलने पर पहुंचे हनुमानगंज चौकी इंचार्ज धीरेंद्र सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि बृहस्पतिवार की सुबह दस बजे के करीब वाराणसी से प्रयागराज की वोर जा रही माल गाड़ी के सामने एक युवक कूद गया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस युवक के शव की शिनाख्त करने का प्रयास किया तो कोई कुछ नहीं बता पा रहा था कुछ दूर पर पड़े एक बैग पर पुलिस की नजर पड़ी बैग की तलाशी लेने पर बैग में कपड़े व अन्य सामान के साथ युवक का आधार कार्ड मिला

मालगाड़ी के आगे कूदे युवक के शव के पास ग्रामीण व पुलिस

जिससे उसकी पहचान अतीक अहमद(30) पुत्र अरमान अली निवासी फतूहां हुई। पुलिस की सूचना पर रोते विलखते परिजन मौके पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि अतीक सुबह 8 बजे घर से हैदराबाद जाने के लिए निकला था। हैदराबाद में वह कारपेंटर का काम करता था। तीन भाइयों में अतीक सबसे छोटा था। पिता दिव्यांग हैं बड़ा भाई आजाद गांव में ही सिलाई का काम करता है दूसरा भाई दाऊद बेरोजगार है मां बानो का रोरो कर बुरा हाल है।

# नवरात्रि पर्व : घरों व मंदिरों में साफ सफाई के साथ हो रही तैयारियां

अखंड भारत संदेश

**सहसों।** नव संवत्सर की वासंतिक नवरात्रि यानी हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन से नवरात्रि की शुभारम्भ एवं नव वर्ष की शुरूआत माना जाता है। हिन्दू परंपरा के अनुसार देवी भक्त नव दिन की नवरात्रि में शक्ति स्वरूपा मां जगदंबा की नव दिन में नवों रूपों की पूजा करते हैं। भक्तगण शनिवार से शुरू नवरात्रि की तैयारियों में लग गए हैं । पूजन हवन इत्यादि के लिए विधि विधान से मां जगदंबा की आराधना हो इसके लिए बाजारों में भक्तों द्वारा पूजन सामग्री लेने के लिए भीड़ दिखना शुरू हो गया है। बाजारों में परसादी की दुकानें सज कर तैयार हो गई हैं दुकानदार भी इस नवरात्रि में अच्छे कारोबार की आस लगाए बैठे हुए हैं। हालांकि तेज धूप होने के कारण गर्मी अत्यधिक बढ़ गई है इसलिए दुकानों पर सुबह शाम ही भक्तों की आवाजाही खरीदारी के लिए शुरू हो गई है। इस पर पंडित दिनेश चन्द्र शास्त्री एवं पंडित ओम प्रकाश मिश्रा ने बताया कि जो भी भक्त श्रद्धा पूर्वक तन मन के साथ साफ- सफाई के द्वारा मां जगदंबा की उपासना, आराधना विधि विधान से पूजा-पाठ, जप- तप करता है उन भक्तों की मां जगदंबा सकल मनोरथ अवश्य पूर्ण करती हैं। इसलिए भक्त नर नारियों को चाहिए कि नवरात्र से पूर्व घरों की साफ-सफाई विशेषकर पूजा गृह की विशेष पूर्वक साफ सफाई होनी चाहिए शास्त्रों के अनुसार जहां साफ-सफाई रहता है वहीं देवी देवताओं का वास होता है एवं इस नौ दिनों में भक्तों को दाढ़ी- बाल, नाखून कटवाना, तेल साबुन से परहेज, घर में सात्विक सादा भोजन इत्यादि का पालन अवश्य करना चाहिए। इस प्रकार जो भी भक्त वैदिक मंत्रों से विद्वानों द्वारा कलश स्थापना कर श्रद्धा पूर्वक सपरिवार मां जगदंबा की नौ रूपों की आराधना, उपासना, पूजा-पाठ, जप- तप एवं विधि विधान से आरती पूजन करता है मां आदिशक्ति उनकी सकल मनोरथ को पूर्ण कर उनके ऊपर अपनी कृपा बरसाती हैं। इसी प्रकार नव संवत्सर एवं माता की नवरात्रि की लिए क्षेत्र के सहसों राम जानकी मंदिर सहित आदि गांवों एवं कस्बों में स्थित मंदिरों की साफ सफाई कर तैयारी शुरू हो गई है।

## न्यूज झरोखा

### दीवाल काटकर घर में घुसे चोर लाखों के आभूषण और नगदी पर किया हाथ साफ

**करछना।** थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मछुआ के अतरैला मजरे में बैजनाथ पटेल के घर में बीती रात घुसे अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए पर हाथ साफ किया प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी बैजनाथ पटेल के परिजन बीमार थे जिसका पास के एक नर्सिंग होम में भर्ती करा कर इलाज करा रहे थे घर के सभी सदस्य उक्त हॉस्पिटल में मरीज की तीमारदारी में व्यस्त थे उसी का मौका पाकर अज्ञात चोरों ने घर के पीछे की दीवाल काटकर अंदर घुस गए और घर में रखे बहू और औरतों के गहने बाक्स और अलमारी खोलकर कर उठा ले गए जिसमें चांदी और सोने के कई आभूषण और नकदी समेत लगभग लाखों रुपए के जेवर पर हाथ साफ कर दिया सुबह जानकारी होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी पीड़ित की ओर से अज्ञात चोरों के खिलाफ करछना थाने में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।

### पवर प्राथमिक विद्यालय में छात्र एवं छात्राओं का हुआ सम्मान

**करछना।** विकास खण्ड कौंधियारा के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय पवर में अध्यापक, अभिभावक बैठक एवं पुरातन छात्र/छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। अतिथियों को माला एवं अंगवस्त्रम पहना कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अब्दुल करीम पूर्व राजस्व निरीक्षक ने कहा कि इस विद्यालय से ही हम लोगों ने शिक्षा प्राप्त कर अनेकों क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। हम लोगों के जमाने में बरगद के पेड़ नीचे पढ़ाई करके शिक्षा प्राप्त किया । अब्दुल अहद सिद्दीकी आईपी यस प्राइमरी से पढ़कर गांव का नाम रोशन किया। उपस्थित ग्राम प्रधान गेंदालाल अब्दुल गनी लेखपाल ए आर पी शत्रुघ्न शुक्ल ने भी अभिभावकों को अपने बच्चों का नामांकन कराने एवं प्रतिदिन विद्यालय भेजने का आग्रह किया। इस गांव में आईएएस पीसीएस और उच्च अधिकारी पद पर गौरव की बात है । कार्यक्रम में उच्च प्राथमिक विद्यालय पवर के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया व अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सविता शर्मा प्र अ द्वारा किया गया।उपस्थित लोग एसएमसी अध्यक्ष इश्तियाक अहमद विकास चंद्र मौर्य ललित नसरीन शाहीन संध्या अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

### सेवानिवृत्त शिक्षक को दी गई भावभीनी विदाई

**सहसों।** क्षेत्र के श्री राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय शिवमंगल नगर गुलालपुर हेतापट्टी प्रयागराज के शिक्षक जय नारायण मिश्र की गुरुवार को उनके सेवा काल से सेवानिवृत्त होने पर उनकी भावभीनी विदाई की गई। शिक्षक जय नारायण मिश्र अपने सेवाकाल में बहुत ही कर्मठता, ईमानदारी के साथ बच्चों में अच्छी शिक्षा प्रदान की। उन्होंने अपनी सादगी पसंद कार्यकुशलता के लिए विद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों में अपनी निष्ठावान कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए पहचान कायम की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी ने सेवानिवृत्त शिक्षक जय नारायण मिश्र को विदा करते हुए माला पहनाकर अंग वस्त्रम एवं माला और रामचरितमानस की पुस्तक भेंट की। इस मौके पर शिक्षक रमेश कुमार द्विवेदी, आशुतोष तिवारी सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

### देव भूमि इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों को मिला मेडल

**लेडियारी।** कोराव तहसील क्षेत्र के खीरी बाजार स्थित देवभूमि इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को अंकपत्र वितरण किया गया ।जिसमें मेधावी बच्चों को मेडल प्रदान कर शिक्षा के प्रति जागरूक किया गया। जिसमें बच्चे, अध्यापक, एवं अध्यापिका समेत अभिभावक गण मौजूद रहे। खीरी बाजार स्थित देवभूमि इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को अंक पत्र वितरित किया गया जिसमें आदित्य सिंह ,आदित्य सिंह ,सौम्या सिंह, सुधांशु यादव ,शिवा केसरवानी, शिवांशु कुशवाहा, आयुष मिश्रा, सौरभ भूर्तिया मोनिका कुशवाहा, मयंक श्रीवास्तव ,रूबी श्रीवास्तव ,अमित केसरवानी, महिमा कुशवाहा ,अभय द्विवेदी समेत 30 बच्चों को मेडल प्रदान किया गया। शेष सभी बच्चों अंक पत्र दिया गया।उक्त मौके पर प्रबंधक अनुज कुमार ने कहा कि कोरांव तहसील क्षेत्र में लापर का खीरी छेत्र अभी शिक्षा से काफी दूर है।शिक्षा को बच्चो तक पहुंचाने का जिम्मेदारी स्थानीय स्कूल का ही होता है। बच्चो को मेडल प्रदान करती हुई स्कूल का संरक्षिका स्वेता भारती ने कहा कि बच्चों में अपने लक्ष्य को पाने का हर साहस होता है । जिसे बच्चों को स्कूल ही प्रदान करता है। उक्त मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य लालजी कुशवाहा, सहायक अध्यापक इन्द लाल कुशवाहा, अनंत सिंह, श्याम जी शर्मा, विकास पटेल, अनामिका द्विवेदी, पुष्पा सिंह चौहान, पूनम सिंह ,प्रतिमा कुशवाहा ,सीमा कुशवाहा, अविशि शुक्ला समेत विजय बाबू मौजूद रहे ।

# रन फार डा. अम्बेडकर दौड़ का आयोजन तीन अप्रैल को होगा

अखंड भारत संदेश

**18 से 45 आयु वर्ग तक के महिला व पुरुष प्रतिभाग कर सकेंगे, प्रथम पांच रन अप विजयी धावक पुरुस्कृत किये जायेंगे**

**प्रयागराज।** देवपती मेमोरियल ट्रस्ट और प्रबुद्ध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञान के प्रतीक राष्ट्रनायक बोधिसत्व डा. बाबासाहेब भीमराव रामजी अम्बेडकर के 131वें जन्म दिन के सम्मान में अप्रैल माह (अम्बेडकर माह) के प्रथम रविवार 03 अप्रैल को प्रातः 06 बजे से हाईकोर्ट स्थित डा. अम्बेडकर मूर्ति स्थल से पत्थर चर्च गिरजाघर, सुभाष चौराहा, पीडी टण्डन पार्क चौराहा से प्रयागराज संगीत समिति चौराहा, हार्ट स्टफ चौराहा, प्रधान डाक घर चौराहा होते हुए अपने उद्गम स्थल हाईकोर्ट स्थित बाबा साहेब डा. अम्बेडकर मूर्ति स्थल तक रन फार डा. अम्बेडकर दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक रामबृज गौतम ने दी है। उन्होंने बताया कि इस दौड़/प्रतियोगिता में 18 से 45 आयु वर्ग के महिला पुरुष धावक प्रतिभाग कर सकते है। श्री गौतम ने बताया कि इस दौड़ में प्रथम पांच रन अप विजयी धावक को जिसमें तीन पुरुष और दो महिलाओ को रुपया पांच हजार, रुपया चार हजार, रुपया तीन हजार, रुपया दो हजार और रुपया एक हजार का सम्मानित आर्थिक सहयोग बतौर पुरस्कार दिया जाएगा।

# अकारण कर दी बुजुर्ग की हत्या, हत्याभियुक्त गिरफ्तार

## घोरहा कल्याणपुर में हुई थी धारदार हथियार से हत्या हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल कुल्हाड़ी भी बरामद

अखंड भारत संदेश

**शंकरगढ़।** यमुनापार के घोरहा कल्याणपुर में 24 घंटा पहले हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर आलाकत्ल कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है। हालांकि बुजुर्ग की हत्या क्यों, किस मकसद से की गई, यह साफ नहीं हो सका। बताया जाता है कि जिसे कत्ल के इल्जाम में गिरफ्तार किया गया है, उसकी मनोदशा कुछ ठीक नहीं चल रही है। हत्या का यह प्रकरण शंकरगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के घोरहा कल्याणपुर निवासी बिहारी लाल (75) का शव 30 मार्च की सुबह घर के बाहर पाया गया था। हत्याकांड की सूचना पर एसपी यमुनापार, सीओ बारा विमल किशोर मिश्र, एसओ शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और छानबीन कर शव को चीरघर भेजा। इस हत्याकांड की प्राथमिक तफ्तीश के दौरान 30 मार्च को ही एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया था। एसओ शंकरगढ़ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उक्त हत्याकांड में लाल बहादुर पुत्र इंद्रपाल (निवासी मवैया पहलवान, शंकरगढ़) को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद की गई है। अभियुक्त की गिरफ्तारी टंडन वन से मवैया पहलवान जाने वाले निमार्णाधीन मार्ग से की गई। पूछताछ के बाद अभियुक्त का चालान भेज दिया गया। हालांकि लाल बहादुर ने हत्या किस मकसद से की, यह साफ नहीं हो सका। हत्याभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ मनोज कुमार सिंह के साथ सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह, कांस्टेबल जीतेंद्र ओझा, सुखबीर सिंह शामिल रहे।

पुलिस की गिरफ्त में हत्याभियुक्त

# भट्ठा संचालकों के द्वारा नौनिहालों से कराया जा रहा बाल मजदूरी !

## करछना क्षेत्र में संचालित ईट उद्योगों पर नौनिहाल बनें मजदूर

अखंड भारत संदेश

**करछना।** जिस उम्र में बच्चों के हाथों में कॉपी, किताब और पेन होना चाहिए उस उम्र में बच्चों से मजदूरी कराया जा रहा है। जबकि की सरकार करोड़ों रुपए खर्च करके देश के नौनिहालों की बेहतर शिक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। तो है दूसरी तरफ सरकार के नियमों की खुलेआम जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। कुछ इसी तरह का मामला करछना क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। जहां क्षेत्र में संचालित हो रहे भट्ठा संचालकों के द्वारा मनमानी तरीके से छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से लाए गए मजदूरों के साथ आए हुए नौनिहालों से चंद्र रुपए का लालच देकर पूरे दिन ईटा बनवाने व ढोआने का काम कराया जा रहा है। जबकि श्रम विभाग द्वारा भी समय-समय पर अभियान चलाकर बाल मजदूरी के प्रति लोगों को जागरूक किया जाता है। लेकिन कुछ लोग शासन और प्रशासन की आदेशों की अनदेखी कर मनमानी तरीके से कार्य को अंजाम दे रहे हैं।

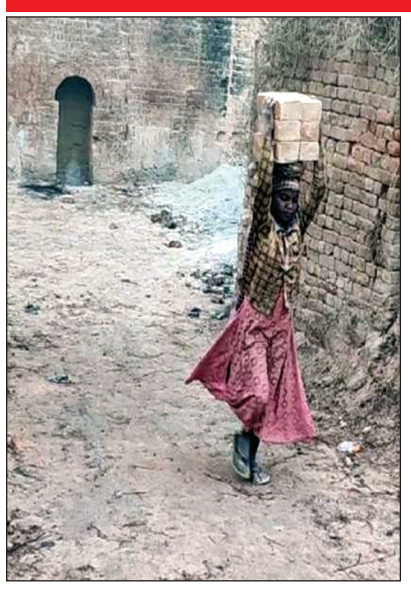

# ग्राम सभा बगई कला को मिला सीएम द्वारा योजना अवार्ड

अखंड भारत संदेश

**सहसों।** अच्छे कार्य के लिए गांव में विकास की धारा बहाने के लिए ग्राम प्रधान द्वारा उत्कृष्ट कार्य को देखते हुए विकास खण्ड सहसों के मनापुर उर्फ बगई कला गांव को चयनित कर मुख्यमंत्री द्वारा योजना अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। जिसमें सात लाख रुपए की अतिरिक्त धनराशि देकर मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह को सम्मानित किया। इस पर ग्राम सभा के चयन पर विकास खण्ड अधिकारी बबिता गुप्ता ने ग्राम प्रधान को बधाई देते हुए भूरि भूरि प्रशंसा किया। ग्राम प्रधान बगई कला को सीएम द्वारा योजना अवार्ड से सम्मानित होने पर क्षेत्र के लोगों में प्रसन्नता के साथ चर्चा का विषय बना हुआ है।

# पीस कमेटी की बैठक आगामी रमजान, चैत्र नवरात्रि को लेकर बैठक में कौंधियारा थाना प्रभारी ने दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

**जारी।** जारी पुलिस चौकी में दिन गुरुवार को आगामी रमजान और चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व को लेकर जारी क्षेत्र के सभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए कौंधियारा थाना अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने कहा कि आगामी रमजान और चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर आप सभी लोग आपसी भाई चारा कायम रखें और त्यौहारों को अपने अपने ढंग से मनाएं। और संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में नवरात्रि का पर्व शुरू होने वाला है इस पर्व में आप लोग क्षेत्र में स्थित मंदिरों में लोगों द्वारा 9 दिनों तक पूजा पाठ किया जाता है ऐसे में सभी पुलिस मित्रों एवं संभ्रांत लोगों का दायित्व बनता है की शांतिपूर्वक नवरात्रि के पर्व को संपन्न कराएं तथा संप्रदायिक सौहार्य को कायम रखने में प्रशासन का सहयोग करे उन्होंने कहा कि यदि कोई भी आराजकता सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करता है तो इसकी सूचना तत्काल सम्बन्धित पुलिस थाना को दे पुलिस अराजक तत्व के खिलाफ कड़ी से कड़ी

कार्यवाही करेगा वहीं बैठक में मौजूद बिहारी लाल जायसवाल, मनोज सोनकर ,सुबोध साहू, विनोद शुक्ला, विनोद केसरवानी ,विकास गुप्ता ,रोहन केसरवानी ,नीरज श्रीवास्तव ,विपिन गुप्ता, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में कार्यवाहक कौंधियारा थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह, जारी चौकी इंचार्ज पंकज कुमार त्रिपाठी , बृजेश यादव ,राहुल ,रामजतन, सहित जारी क्षेत्र के सभ्रान्त एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# विधायक नें प्रतिभागियों को दिया प्रशिक्षण प्रमाण पत्र

अखंड भारत संदेश

**जसरा।** विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत हर घर जल के अन्तर्गत दो दिवसीय विकास खण्ड स्तरीय एफ. टी. के. के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच परीक्षण(हदटक्र) प्रशिक्षण और महिला प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का दूसरे दिन का प्रशिक्षणोपरांत समापन विधायक बारा डा0 वाचस्पति द्वारा समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, किट और बैग स्टेशनरी आदि वितरण कर दो दिवसीय प्रशिक्षण का सफल प्रशिक्षकों की तारीफ करते हुए समापन भाषण के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा किया गया।अधिशासी निदेशक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निदेर्शानुसार प्रायोजक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के दिशा निर्देशन में मेरापथ एजुकेशन लिमिटेड,नोएडा उत्तर प्रदेश और सहयोगी संस्था इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एक्शन द्वारा आयोजित विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन के बैनर तले सैकड़ों

प्रमाण पत्र एवं किट वितरण करते विधायक बारा

महिलाओं को राज्य स्तर प्रशिक्षक जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश विपिन प्रकाश जायसवाल, मंगला प्रसाद द्वारा उपस्थित महिलाओं को स्वच्छता सहित दूषित पेयजल से होने वाले भयानक बीमारियां जैसे पीलिया, कालरा, कैंसर, दस्त बुखार, हड्डी रोग,कुपोषण, चर्म रोग आदि एवं उससे बचने के उपाय जैसे पेय जल श्रोत इण्डिया मार्का टू हैण्ड पम्प, नल, कुआ आदि को ब्लीचिंग पाउडर को प्लास्टिक के बर्तन में घोल बनाकर रात्रि में उसके अन्दर घोल को डाल कर पूरी रात्रि छोड़ देने और सुबह में पेय जल श्रोत से पानी तब तक निकालना चाहिए जब तक लाल या जंग वाला पानी साफ न हो जाए,बैक्टीरिया वाले दूषित पानी को उबाल कर पीना चाहिए,पीने वाले पानी को बाल्टी में रखकर उसमे फिटकरी को सूती कपड़ा में पोटली बनाकर पानी के अन्दर घुमाकर पानी स्थिर होने के बाद पानी का सेवन करना चाहिए आदि विभिन्न प्रकार से पानी को शुद्ध और स्वच्छ होने की दशा में ही पानी का सेवन करना चाहिए। पाइप लाइन शुद्ध पेयजल आपूर्ति, जल दोहन करने से पानी के संकट, पानी में रसायन आयरन, फ्लोराइड, क्लोरिन आदि की जल जांच करने सम्बंधी विस्तृत जानकारी दी गई और अधिकाधिक महिला समूहों से भी जल जांच कीट के माध्यम से पानी की जांच कराई गई।वहीं मनीषा देवी,संगीता,शिमला बिंद,आरती साहू, प्रियंका केसरवानी को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विधायक वाचस्पति द्वारा प्रमाण पत्र और कीट देकर सम्मानित किया गया। बृजेश कुमार बिंद महामंत्री प्रधान संघ और रंजीत गुप्ता प्रधान,मोतीलाल कुरील प्रधान द्वारा जल जीवन मिशन से संबंधित विस्तृत जानकारी महिला समूहों को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर फूल चन्द्र पटेल,श्यामू निषाद, राकेश निषाद, कमलेश यादव परियोजना प्रबंधक, प्रतीक यादव, राकेश कुमार, संजीव कुमार, गंगा पाल, शिव चंद्र, अजय कुमार बिंद, विजय कुमार बिंद, मनोज कुमार बिंद, राम मनोज, महिला समूहों से साधना आदिवासी अरुणा देवी, निर्मला देवी, पुष्पा, रेखा देवी, महिमा, सरिता, सविता मांझी, अनिता कुशवाहा, अंजली, प्रियंका गोस्वामी, रीता सिंह, जन्नत सिद्दीकी, सुनीता मालविया सहित तमाम महिलाएं प्रतिभाग की।

## खबर संक्षेप

### खबर का हुआ असर : विभाग आया हरकत में

**प्रयागराज।** ब्लाक मऊआइमा में तैनात ए पी ओ के मनमनानी के चलते रोजगार सेवको का मानदेय नहीं दिया गया था जिसको लेकर ए पी ओ की लापरवाही सामने नजर आई थी उसी को लेकर रोजगार सेवकों ने एकजुट होकर एक पी ओ के खिलाफ प्रदर्शन किया गया, जैसे ही मीडिया को सूचना मिली तो वैसे ही मीडिया वालों ने खबर को प्रकाशित किया, खबर प्रकाशित होते ही विभाग आया हरकत में इसी के चलते संबंधित विभागीय अधिकारी ने ए पी ओ से स्पष्टीकरण मांगा गया,अब देखना ये है ए पी ओ के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है यह एक जांच का विषय है मौके पर उपस्थित गंगापार अध्यक्ष अनवर हुसैन, कन्हैया लाल, संदीप कुमार, संतोष कुमार,अजय कुमार, दयाराम,नीलम समेत दर्जन भर लोग मौजूद रहे।

# परिषदीय परीक्षा : डीएम व एसएसपी ने बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

## परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वालों पर की जायेगी कड़ी कार्यवाही : जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार गुरूवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा-2022 को नकल विहीन कराये जाने के उद्देश्य से परीक्षा केन्द्रों सत्यम गर्ल्स इण्टर कालेज चाका नैनी एवं राम प्रसाद एकेडमिक इण्टर कालेज गोविन्द पुरम कालोनी, नैनी सहित अन्य कालेजों का निरीक्षण किया तथा परीक्षा केन्द्रों पर स्टेटिक मजिस्टेट एवं बाह्य मजिस्टेट से चल रही परीक्षाओं की जानकारी लेते हुए प्रश्नपत्रों के पैकेटों की टेम्परिंग आदि की जांच भी किया।

उन्होंने प्रधानाचार्य सहित सभी सम्बंधित अधिकारियों को शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता के बारे में जानकारी ली और कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरे लगातार क्रियाशील रहे साथ ही मानीटरिंग सेंटर पर लगातार इसकी निगरानी भी की जाये। जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्रों पर गर्मी के मौसम को देखते हुए पानी की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को दुरूस्त रखने के लिए कहा है। उन्होंने कालेजों के प्रधानाचार्यों से कहा कि इस बात का ध्यान रखा जाये कि सेंटर के पास कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न टहलते हुए मिले। इस सम्बंध में सेंटरों पर तैनात पुलिस कर्मियों को भी हिदायत दी।

कॉलेज परिसर में निरीक्षण करते जिलाधिकारी व एसएसपी

उन्होंने परीक्षा को सकुशल एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए सभी एसडीएम एवं मजिस्टेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहने तथा सतर्क दृष्टि बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने सख्त निर्देश दिया है कि परीक्षा में किसी भी प्रकार लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगा। परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# अरविंद केजरीवाल के घर जानलेवा हमले को लेकर आम आदमी पार्टी का विरोध प्रदर्शन

## आप के कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी, कार्यकताओं ने तेजस्वी सूर्या के पुतले को किया दहन, भारी संख्या में पुलिस रही मौजूद

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** आम आदमी पार्टी प्रयागराज के कार्यकताओं ने महानगर महासचिव सर्वेश यादव एवं जिला महासचिव नितिन सिंह पटेल के नृतेत्व में सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर जम कर नारे बाजी की दिल्ली के मुख्यमंत्री माननीय अरविन्द केजरीवाल के घर पर भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के आराजक हमले के विरोध में आप कार्यकताओं ने जमकर विरोध किया और तेजश्वी सूर्या की गिरफ्तारी की मांग की और तेजस्वी सूर्या का पुतला दहन किया गया ।महानगर के महासचिव सर्वेश यादव ने कहा एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के घर पर हमला देश के लोकतंत्र पर हमला है,भाजपा आम आदमी पार्टी की पंजाब की प्रचंड जीत को पचा नहीं पा रही है जिस कारण बौखलाहट में इस तरह के आराजाक हमले करा रही है , भारती जनता पार्टी देश में एक आतंक का माहौल खड़ा कर रही है । आप प्रयागराज के जिला महासचिव नितिन सिंह पटेल ने कहा आम आदमी पार्टी की पंजाब जीत और माननीय अरविन्द केजरीवाल जी की लोक प्रियता से घबराई भारती जनता पार्टी आराजकता पर उतर गई है एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के घर पर इस तरह के हमले से ये साफ पता चलता है की भाजपा लोकतंत्र को हत्या कर रही है और पूरे देश में भय का माहौल बना रही है गृह मंत्री जी से मेरी मांग है की इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाय जिससे दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके।मौजूद रहे कार्यकर्ता प्रदेश सचिव,अंजनी कुमार मिश्रा, संजय पांडे, पल्लवी मालवीय, निखिल भारतीय, विकास तिवारी, विशाल सिंह यादव, मोहम्मद जैद,बृजेश सक्सेना,मोहम्मद नसीम,हिमांशु त्रिपाठी,अभिलाषा गौतम,सीमा सिंह, धीरज तिवारी, सुभाष भारतीय, मोहम्मद अजमल, अवधेश मौर्य, रितेश सिंह,फैजी,बसंत लाल बागी, देवेन्द्र सविता मसूद अहमद, गौरव सोनी,आनंद दिवेदी, अताउर रहमान,रामलखन चौरसिया, अमित यादव, नीरज मिश्रा,निखिल, रण बहादुर सिंह,सौरभ सिंह,दीपक केशरवानी, हरेंद्र प्रताप सिंह, आकाश बारी, उदय प्रताप सिंह,आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आप कार्यकर्ताओं द्वारा तेजस्वी सूर्या का पुतला दहन करते

# 50 लाख की अनुग्रह राशि हड़पने के लिए बनवाई फर्जी सर्विस बुक, बहू समेत पांच पर एफआईआर

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** शंकरगढ़ के पूर्व अधिशासी अधिकारी शेर बहादुर की कोरोना से मौत के बाद फर्जी सर्विस बुक बनाकर उनकी पत्नी को 100 प्रतिशत की नामिनी बना दिया गया। इस बात की जानकारी आरटीई से हुई तो उनके पिता ने बहू समेत पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। पूरा विवाद 50 लाख की अनुग्रह राशि से जुड़ा हुआ है। छोटा बघाड़ा के रहने वाले मिठाई लाल सहकारी बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। उनके बेटे शेर बहादुर शंकरगढ़ नगर पंचायत में अधिशासी अधिकारी थे। शेर बहादुर की 2020 में कोरोना से मौत हो गई। मौत के बाद पत्नी प्रियंका को नगर पंचायत में नौकरी मिल गई। कोरोना से मौत पर शासन ने 50 लाख की अनुग्रह राशि दी तो घर में विवाद खड़ा हो गया।मिठाई लाल का आरोप था कि बहू नौकरी पाने के बाद न तो उनकी देखरेख कर रही थी न ही उनकी पत्नी का। उन्होंने डीएम से मिलकर 50 लाख की अनुग्रह राशि में उनका हिस्सा अलग देने का आग्रह किया। इस बीच पता चला कि शेर बहादुर की सर्विस बुक में प्रियंका को 100 फीसदी का नामिनी बनाया गया है। उन्होंने आरटीई के माध्यम से इस बात की सत्यता जाननी चाही। पता चला कि फर्जी दस्तखत और कूटरचित दस्तावेजों से प्रियंका को 100 फीसदी का नामिनी बना दिया गया है। शेर बहादुर ने अपने जीवित रहते किसी को भी नामिनी नहीं बनाया था। इसी को आधार बनाकर मिठाई लाल ने बहु प्रियंका, राजकुमार, वीरेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, सैफ अली को नामजद करते हुए कर्नलगंज थाने में तहरीर दी। पुलिस ने धोखाधड़ी की तमाम धाराओं के साथ 120-बी के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली। इंस्पेक्टर कर्नलगंज ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

# लोक सेवा आयोग पहुंची सीबीआई की टीम

अखंड भारत संदेश

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग में बुधवार को सुबह एक बार फिर से सीबीआई की टीम पहुंची। आयोग की अप्रैल 2012 से मार्च 2017 तक की भर्ती परीक्षाओं की जांच सीबीआई कर रही है। जांच में सुस्ती पर प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। माना जा रहा है कि इसके बाद से जांच में तेजी आई है। सीबीआई की टीम ने आयोग में समीक्षा अधिकारी-2013, पीसीएस जे-2013, लोवर-2013 भर्तियों से जुड़े दस्तावेजों की छानबीन की। कॉपियों को निकलवा कर देखने के साथ ही कंप्यूटर में दर्ज ब्योरे की भी गहराई से छानबीन की। जांच में सीबीआई को खामियां भी मिली हैं। ऐसे में चर्चा है कि सीबीआई की टीम इस मामले में अब कुछ चयनितों, आयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों से जल्द पूछताछ कर सकती है।

### आरओ-एआरओ भर्ती 2014 में गड़बड़ी मिली थी

पूर्व में सीबीआई की टीम समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी-2014 भर्ती में गड़बड़ी पकड़ चुकी है। इसमें लगभग 50 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों के कंप्यूटर प्रमाण पत्र फर्जी होने की आशंका है। टाइप टेस्ट में फेल अभ्यर्थियों को पास करने, ओएमआर शीट में छेड़छाड़ के भी साक्ष्य सीबीआई के हाथ लगे हैं। गौरतलब है कि लोक सेवा आयोग की 2012 से 2017 तक की भर्ती परीक्षाओं की जांच सीबीआई कर रही है। एपीएस-2010 में गड़बड़ी मिलने पर तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक प्रभुनाथ के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज हो चुकी है। लेकिन अभी तक इस मामले में आयोग के किसी अधिकारी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और न ही किसी चयनित अभ्यर्थी पर कार्यवाही हुई है।

### दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा

**मऊआइमा।** बोर्ड की परीक्षा में नकल होना आम बात है । पैसा लेकर परीक्षा में पास कराने का ठेका लेना शिक्षकों का पेशा बन चुका है । ऐसे ही तीन परीक्षार्थियों के स्थान पर दूसरे छात्र परीक्षा देते हुए पकडे गए। पुलिस ने आधा दर्जन परीक्षार्थियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर भागे आरोपियों की तलाश में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा क्षेत्र के परीक्षा केन्द्रों पर पैसा लेकर नकल कराने की परम्परा पुरानी है। इस में केन्द्र व्यवस्थापक से लेकर शिक्षक माफियाओं की मिली भगत आम है। बुधवार को दूसरी पाली में स्टैंडर्ड इन्टर कालेज में अंग्रेजी विषय की परीक्षा में अवध बिहारी ,सचिन कुमार, मोहम्मद नदीम सिद्दीकी के स्थान पर राहुल कुमार ,श्याम बिहारी तथा एक अन्य अज्ञात परीक्षा देते जब पकड़े गए तो तीनों धता देते हुए भाग निकले । केन्द्र व्यवस्थापक राकेश यादव ने मऊआइमा थाने में गुरूवार को अवध बिहारी ,सचिन कुमार ,मोहम्मद नदीम सिद्दीकी, राहुल कुमार ,श्याम बिहारी तथा एक अन्य अज्ञातों के खिलाफ धारा 419, 420, 3/8/10 परीक्षा अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया है ।पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी परीक्षार्थियों की तलाश में जुट गई है।

# पेट्रोल डीजल की बढती कीमतों को लेकर करछना में कांग्रेस का प्रदर्शन

अखंड भारत संदेस

**करछना।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला कांग्रेस कमेटी यमुनापार प्रयागराज के जिलाध्यक्ष आदरणीय अरुण तिवारी के निर्देशन में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज 31 मार्च को विधानसभा करछना के तहसील मुख्यालय पर वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की सरकार और उत्तर प्रदेश में भाजपा की बनी हुई सरकार के द्वारा बढ़ती हुई महंगाई के विरोध में कांग्रेश जनों के द्वारा महंगाई हटाओ भारत अभियान के तहत जोरदार तरीके से पुरजोर विरोध किया गया।

कांग्रेस जनों द्वारा की जा रही महंगाई के विरोध में सड़कों पर उतर कर बढ़े हुए गैस सिलेंडर के दाम सीएनजी गैस बढ़े हुए पेट्रोल की कीमतों और बाजार में सामानों की कीमतों के लगातार हो रही वृद्धि के

खिलाफ अपना प्रदर्शन किया और सरकार को चेताया की बढ़ती हुई महंगाई की त्रासदी से आज जनता पूरी तरह से परेशान और माकूल हो कर अपना जीवन जीने के लिए विवश है इसके बाद भी सरकार के द्वारा जनता को राहत देने के लिए कोई भी सार्थक कदम नहीं उठाया जा रहा है।कांग्रेस जनों के प्रदर्शन आयोजन कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिला कांग्रेस कमेटी जमुनापार प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष रंगराज सिंह ,जिला उपाध्यक्ष व प्रभारी संगठन विवेक कुमार पाण्डेय, जिला महासचिव डॉ दिनेश कुमार सोनी, जिला सचिव विनय कृष्ण पांडे आशीष कुमार मिश्रा सर्वेश्वर नाथ पांडे करछना न्याय पंचायत अध्यक्ष रविराज सिंह अनिल कुमार पांडे शारदा प्रसाद हरिश्चंद्र धर्मेंद्र सिंह शेख अब्दुल अमन शिवम सिंह आलम भाई करछना महिला काँग्रेस अध्यक्ष सरोज मिश्रा, ब्लॉक उपाध्यक्ष पवनेश सोनी सहित आदि कांग्रेस जनों के प्रमुख रूप से भागीदारी शामिल रही है।

# डोहरिया विद्यालय में विदाई व सम्मान समारोह संपन्न

अखंड भारत संदेश

**मेजा।** उरुवा ब्लाक के परिषदीय विद्यालय के शिक्षक 31 मार्च 2022 को अपनी सेवा पूर्ण कर ली और उनके विद्यालय स्टॉप द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। जिसमें ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय डोहरिया द्वितीय में प्रधानाध्यापक महेंद्र प्रताप यादव का उच्च प्राथमिक विद्यालय डोहरिया (संविलियन) के प्रांगण में बड़े ही धूमधाम से विदाई व सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। आपको बतादें कि महेंद्र प्रताप यादव पनासा,करछना के मूल निवासी है और इनकी प्रथम नियुक्ति 31 दिसम्बर 1996 को महराजगंज जनपद में हुई थी उसके पश्चात सन 2002 में अंतर्जनपदीय स्थानांतरण में प्रयागराज जनपद के कोरांव ब्लॉक में नियुक्ति हुई। फिर 25 जुलाई 2007 को उरुवा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय डोहरिया द्वितीय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यभार ग्रहण करते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए 31 मार्च 2022 को अपनी सेवा पूर्ण कर ली। उच्च प्राथमिक विद्यालय डोहरिया के प्रभारी प्रधानाध्यापक रामसागर मिश्रा ने कहा कि यह क्षण हमारे विद्यालय परिवार के लिए बेहद दुःखद

क्षण है। फिर भी जगत का यह शाश्वत नियम है कि जो आया है,वह जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षक विदाई का कार्यक्रम जुदाई नहीं समझना चाहिए। विदाई तो एक रस्म है। शिक्षक राष्ट्र निमार्ता होता है। शिक्षक सेवानिर्वित हो जाने के बाद उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है,उसे समाज में और सक्रिय होकर समाज के लोगों को जागरूक करते हुए राष्ट्र निर्माण हेत गतिशील रहने की आवश्यकता होती है। विदाई एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारें प्राथमिक शिक्षक संघ उरुवा के अध्यक्ष विनोद शुक्ला व प्राथमिक शिक्षक संघ उरुवा के मंत्री संदीप पांडेय ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने कहा कि महेंद्र यादव एक मृदुभाषी, परोपकारी, नियमित, समय पालन करता, कर्तव्यनिष्ठ, संघर्षशील स्वभाव के प्रकृतिजन प्रेमी तथा एक सुयोग्य शिक्षक के रूप में अपने दायित्व का हमेशा निर्वहन करते रहे हैं। हूं। उक्त अवसर पर अवकाश प्राप्त पूर्व प्रधानाध्यापक कन्हैयालाल मिश्र, एसएमसी अध्यक्ष विजय सिंह तथा विद्यालय के शिक्षक सोमेश्वर भट्ट, पंकज सिंह, अविनाश मिश्रा, छविनाथ मौर्य, मनोज कुमार पाल, अरुण कुमार, अनीता सिंह व संतोष सिंह और अन्य विद्यालयों के शिक्षक ममता शुक्ला, संगीता सिंह, सुनील मिश्रा, अनिल यादव, संतोष सिंह यादव, रमाकांत यादव, अनिल कुमार सिंह, राकेश सिंह, महात्मा जी, सुधरा, कंचन, राजेश्वरी आदि लोगों के साथ-साथ ग्राम पंचायत डोहरिया के अनेक अभिभावकगण उपस्थित रहे। अंत मे विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक रामसागर मिश्र ने महेंद्र यादव को स्मृति पत्र देकर और माल्यार्पण कर उन्हें सम्मानित किया और उनके स्वस्थ सुखी जीवन बिताने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की तथा समारोह में आए हुए सभी अतिथियों,शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सपा कार्यकताओं का होली मिलन समारोह संपन्न ,विधायक संदीप पटेल भी रहे मौजूद

**मेजा रोड।** मेजा गुरुवार को मेजारोड के लखनपुर स्थित मां विंध्यवासिनी गार्डन गेस्ट हाउस में सपा नेता व यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव नितेश तिवारी के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

होली मिलन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मेजा संदीप पटेल रहे। होली मिलन समारोह में विधानसभा मेजा के नवनिर्वाचित सपा विधायक संदीप पटेल को क्षेत्र से जुटे सैकड़ों सपा कार्यकताओं व शुभेच्छुओं ने शुभकामनाएं देते हुए मुख्य अतिथि पर पुष्प वर्षा कर होली मनाई। विधायक मेजा संदीप पटेल ने विधानसभा चुनाव में मिले जनसहयोग के लिए सबका आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी लोगों ने जिस तरह से सहयोग दिया है उनका मैं सदैव ऋणी रहूंगा। हमारी जीत सभी वर्गों की जीत है। क्षेत्र में सभी का बराबर विकास करने का काम किया जाएगा। बगैर किसी भेदभाव के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करने के लिये कृत संकल्प हूं। आप सभी की उम्मीद पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करुंगा। आश्वस्त किया कि कार्यकताओं के मान सम्मान के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। श्री पटेल ने आगे कहा कि होली का त्यौहार आपसी प्रेम व सौहार्द का सन्देश देता है। इसे बरकरार रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस मौके पर विस अध्यक्ष श्यामकृष्ण सिंह पप्पू यादव, पूर्व जिपंस सुरेश यादव, रामसागर यादव मुखिया, फतेहबहादुर सिंह, रक्षामंत्री यादव, विशाल पटेल आकाश मिश्रा, गुड्डू यादव, सूरज राजा सहित सैकड़ों सपाई मौजूद रहे।

## न्यूज झरोखा

### ट्रांसफार्मर से उठी चिंगारी से गेहूं के खेत में लगी आग

**हनुमानगंज।** सरायइनायत थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद उमरी में ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारी से गेहूं के खेत में आग लग गई। ग्रामीणों ने जब तक आग पर काबू पाया तब तक 4 बिस्वा गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई।उमरी मुस्तफाबाद निवासी हुकुम राज सिंह के खेत के पास ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। बताया जाता है कि गुरुवार की दोपहर अचानक ट्रांसफार्मर से उठी चिंगारी से गेहूं के खेत में गिरी और आग लग गई। खेत में आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर भारी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने पास में ही स्थित पंपिंग सेट की टंकी से बाल्टी बाल्टी पानी डालकर किसी तरह आग बुझाया। गांव के आकाश सिंह ने बताया कि गलिमत रही की पास में पानी उपलब्धता था और हवा भी नहीं चल रही थी नहीं तो कई बीधे गेंहू की फसल आग की चपेट में आ जाती और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता।

### अंतर्जनपदीय वाहन चोर गैंग के चार सदस्य गिरफ्तार

**पूरामुफ़्ती।** प्रयागराज पूरामुफ़्ती थाना पुलिस ने अंतर्जनपदीय वाहन चोर गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर एक टबेरा कार एक सेंट्रो कार तीन बाइक के साथ चोरी करने के उपकरण बरामद किए हैं पकड़े गए आरोपियों को बीती रात पुलिस ने थाना क्षेत्र के अहमदपुर पावन गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरफ्तार किया था पकड़े गए आरोपियों ने थाना पुरामुफ्ती क्षेत्र के असरौली गांव से कुछ दिनों पूर्व टवेरा कार चोरी किया था पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध कौशांबी प्रयागराज जनपद के विभिन्न थाना में पूर्व से तमाम गंभीर अपराध दर्ज हैं 'घटनाक्रम के मुताबिक पूरामुफ्ती थाना पुलिस ने अहमदपुर पावन गांव के पास से अंतर्जनपदीय वाहन चोर गैंग के सदस्य तुफैल अहमद पुत्र जमील उद्दीन निवासी अतरसुइया थाना सराय अकिल और उसके गैंग के सदस्य आमिल पुत्र शकील अहमद निवासी अतरसुइया आशीष कुमार पुत्र राम लोटन सराय अकिल और तौफीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर निवासी सराय अकिल को बीती रात गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से टवेरा कार सैंटरो कार और तीन बाइक पुलिस ने बरामद किया है पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी करने के उपकरण भी पुलिस ने बरामद किया है पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध कौशांबी और प्रयागराज जनपद के विभिन्न थाना में पूर्व से तमाम मामले दर्ज हैं पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध लिखा पढ़ी कर अदालत में पेश किया जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

### पुलिस के हत्थे चढ़ा गैंगस्टर एक्ट का वांछित

**शंकरगढ़।** शंकरगढ़ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड संख्या पांच, मोदीनगर के रहने वाले आदर्श सिंह उर्फ चंचल पुत्र बृजेश सिंह के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही की गई थी। गिरोहबंद एवं समाजविरोधी क्रियाकलापों में संलिप्त रहने वाले आदर्श सिंह को आज अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी (बांदा-प्रयागराज हाईवे) के पास से गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि धरे गए अभियुक्त के खिलाफ धारा 392, 394, 323, 504, 506 व गैंगस्टर एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं।

### संतेश्वर कुमार मिश्र को मिला डॉक्टरेट की उपाधि

**झूंसी।** नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय प्रयागराज के विधि संकाय में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य संतेश्वर कुमार मिश्र को विद्या वारिधि की उपाधि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से प्रदान की गई। संतेश्वर कुमार मिश्र ने सामाजिक परिवर्तन में कार्यशील महिलाओं की सहभागिता का समाजशास्त्रीय अध्ययन वाराणसी नगर के साड़ी उद्योग में कार्य करने वाली महिलाओं पर पूर्ण किया। यह शोध कार्य तिलकधारी महाविद्यालय के समाजशात्र विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ हरिओम त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में संम्पन हुआ। डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर संतेश्वर कुमार मिश्र को नेहरू ग्राम भारती में मानित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों ने मिठाई खिला कर बधाई दी।

### जसरा में जल जीवन मिशन कार्यक्रम का हुआ समापन

**जसरा।** विकास खण्ड परिसर में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के तहत हर घर जल के अन्तर्गत दो दिवसीय विकास खण्ड स्तरीय एफ. टी. के. के माध्यम से जल गुणवत्ता जांच परीक्षण प्रशिक्षण और महिला प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम के दूसरे दिन का प्रशिक्षणोपरांत समापन विधायक बारा डा0 वाचस्पति द्वारा किया गया। विधायक बारा डा०वाचस्पति ने समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, किट और बैग स्टेशनरी आदि वितरण कर दो दिवसीय प्रशिक्षण का सफल प्रशिक्षकों की तारीफ करते हुए समापन भाषण में बोलते हुए कहा कि सरकार द्वारा समय समय पर इस तरह की योजनाओं को लागू करके समाज को स्वच्छ जल के साथ ही जल संचयन की विधा बताए। इस अवसर पर फूल चन्द्र पटेल,श्यामू निषाद, राकेश निषाद, कमलेश यादव परियोजना प्रबंधक,प्रतीक यादव,राकेश कुमार,संजीव कुमार,गंगा पाल,शिव चंद्र,अजय कुमार बिंद,विजय कुमार बिंद,मनोज कुमार बिंद,राम मनोज, महिला समूहों से साधना आदिवासी अरुणा देवी,निर्मला देवी, पुष्पा,रेखा देवी,महिमा,सरिता, सविता मांझी,अनिता कुशवाहा,अंजली,प्रियंका गोस्वामी,रीता सिंह,जन्नत सिद्दीकी,सुनीता मालविया सहित तमाम महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

### सोरांव तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

**सोरांव।** सोरांव तहसील के वरिष्ठ अधिवक्ता बच्चू लाल ने उत्तर प्रदेश जमीनदारी विनाश अधिनियम 1950 की धारा122बी4 एफ को उत्तर- प्रदेश राजस्व संहिता 2006 में जोड़ने के लिए गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। तथा मुख्यमंत्री कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री तथा मेल भी किए हैं। जानकारी के अनुसार गांव सभा की जमीन पर जो धारा 132 से संबंधित नहीं है ऐसी भूमि पर भूमिहीन, खेतिहर,मजदूर, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लोग 30 जून 2007 से पहले कब्जे के आधार पर असंक्रमणीय मान लिया जाता था। लेकिन तत्कालीन समाजवादी पार्टी ने इस धारा को हटाकर मजदूर,खेतिहर, भूमिहीन तथा अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति के ऊपर कुठाराघात किया है। बच्चू लाल ने तुलनात्मक चार्ट में 122बी4ऋके जैसी एक नई धारा बनाने के लिए सरकार से मांग की है। जिससे अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति, भूमिहीन, तथा खेतिहर,मजदूर को लाभ मिल सके तथा जीवन यापन सही से चल सके।

### घर में घुस कर मार पीट लूटपाट दस के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**मऊआइमा।** पुरानी रंजिश को लेकर पडोसियों ने घर में घुस कर मार पीट किए और पांच हजार रुपये चोरी कर लिए । पुलिस ने सात नामजद दो अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसई सिपाह निवासी सना उल्ला पुत्र मजीद उल्ला का आरोप है कि पडोसी पुरानी रंजिश को लेकर उनके घर में घुस कर परिजनों को मार पीट कर जख्मी कर दिए। तथा जान से मारने की धमकी देते हुए पांच हजार रुपये लूट लिए। सना उल्ला ने मऊआइमा थाने में अब्बास अली ,कुर्बान अली ,अजहर अली, इरफान अली, इमरान अली, गुफरान अली ,रिजवान अली तथा तीन अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

# शराब के नशे में एसडीएम ने नायब नाजिर को पीटकर किया लहूलुहान

## पीडित ने पुलिस को तहरीर देकर लगाए गंभीर आरोप, एसडीएम ने कहा-गलत है आरोप

अखंड भारत संदेश

**लालगंज, प्रतापगढ़।** बुधवार की रात सरकारी आवास के सामने बैठे नायब नाजिर को नशे मे धुत एसड़ीएम ने होमगार्ड के डन्डो से पीटकर लहुलूहान कर दिया। जब बेहोश होकर गिर पड़ा तो साहब वापस लौट गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर एसडीएम पर गंभीर आरोप लगाया है।

स्थानीय तहसील में नायब नाजिर के पद पर तैनात सुनील कुमार शर्मा पुत्र नन्द किशोर ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बीती रात वह अपने सरकारी आवास पर बैठा था। एसडीएम लालगंज ज्ञानेन्द्र विक्रम लगभग नौ बजे रात्रि पहुँच कर बिना कुछ बोले होमगार्ड के डंडे से मारना-पीटना शुरू कर दिया। मां-बहन की भद्दी भद्दी गालियां भी दी। जब मैं लहूलुहान हो कर गिर कर बेहोश हो गया तब मुझे मृत समझकर चले गए। मै किसी तरह रात गुजारी। सुबह इलाज कराने के बाद कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। वहीं एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम पीडित को नशेड़ी बता कर उसके सभी आरोपों को गलत बता रहे है। जब कि नायब नाजिर एसडीएम को ही नशे की हालत में मारने का आरोप लगा रहा है। वहीं प्रभारी कोतवाल का कहना है तहरीर मिली है जांच के बाद कार्रवाई की जायेगी।

पिटाई से घायल नायब नाजिर।

### साहब सही या मातहत?

अखंड भारत संदेश

**लालगंज, प्रतापगढ़।** अब देखना है कि नायब नाजिर सही है या एसडीएम? क्यों कि दोनों लोग एक दूसरे को नशेड़ी बता रहे है। एक तरफ पीडित ने एसडीएम पर शराब के नशे में मारपीट करने का आरोप लगाया है तो वही एसडीएम ने नायब नाजिर को नशेड़ी बताकर उसके सारे आरोपों को गलत करार दिया है।

### आखिर कैसे लगी इतनी चोटें?

लालगंज, प्रतापगढ़। एक बार एसडीएम की बातों पर नजर डाले कि नायब नाजिर नशेड़ी है, लेकिन उसकी पीठ पर लगी चोटे तो गिरने की नही है। वह साफ लग रही है कि किसी के द्वारा उसकी पीटाई की गई है।अब सवाल इस बात का है कि जिस पर वह आरोप लगा रहा है उसके द्वारा पिटाई की गई है या अन्य के द्वारा? यह एक सवाल पैदा करता है जो एक जाँच का विषय है।

## भौगोलिक ज्ञान का विकास जिज्ञासा से हुआः प्रणव

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ़ सिटी के भूगोल विभाग द्वारा नक्षत्र विज्ञान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रतापगढ़ के सुप्रसिद्ध नक्षत्र विज्ञानी नीरज सिंह ने दूरबीन के उपयोग से छात्र-छात्राओं को परिचित कराया।

कार्यशाला का संचालन कर रहे प्रणव ओझा ने कहा कि भौगोलिक ज्ञान का विकास जिज्ञासा से हुआ है। तकनीकी उपकरणों के प्रयोग ने ब्रह्मांड से संबंधित मानव के ज्ञान में अभूतपूर्व वृद्धि की है। नीरज सिंह ने दूरबीन निर्माण के इतिहास पर प्रकाश डाला तथा विभिन्न प्रकार की दूरबीनो की क्रिया विधि को स्पष्ट करते हुए छात्रों के लिए घर पर ही दूरबीन बनाने की प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण भी किया। साथ ही नक्षत्र विज्ञान से संबंधित विभिन्न पुस्तकों, मॉडल्स, मोबाइल ऐप्स आदि अद्यतन संदर्भों से छात्रों को अवगत कराया। कार्यशाला में भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक श्री संदीप मौर्य, प्रयोगशाला परिचर श्री नन्हे मौर्य, शमीम आदि लोग उपस्थित रहे।

### पीबीपीजी कालेज में नक्षत्र विज्ञान पर हुई कार्यशाला

नक्षत्र विज्ञान कार्यशाला में मौजूद अतिथिगण।

## अन्तिम मतदाता सूची हुई प्रकाशित, बढ़ी चुनावी सरगर्मी

अखंड भारत संदेश

**लालगंज, प्रतापगढ़।** संयुक्त अधिवक्ता संघ की चुनाव समिति द्वारा गुरूवार को चार सौ साठ सदस्यीय अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। अन्तिम मतदाता सूची के प्रकाशित होते ही तहसील व दीवानी परिसर मे चुनावी माहौल रोचक हो उठा दिखा। अंतरिम मतदाता सूची मे उन्तीस नामों की बढोत्तरी हुई है। चुनाव समिति के प्रवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि चार अप्रैल से प्रत्याशियों के द्वारा छः अप्रैल तक नामांकन पत्र दाखिल किये जा सकेगें। गुरूवार को दिन भर हुई चुनाव समिति की गहमागहमी की बैठक मे कई नामों को अहर्ता के बाहर होने के कारण निरस्त भी किया गया। समिति की बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष रामलगन यादव व संचालन महामंत्री रमेश पाण्डेय ने किया। बैठक मे संरक्षक कमलेश तिवारी, बाबूलाल वर्मा, प्रमोद सिंह, शारदाबक्श सिंह, रामकुमार पाण्डेय, राजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा, संजय सिंह, रोशन लाल सरोज, इरफान अली, धीरेन्द्र मिश्र, जयप्रकाश शुक्ल शामिल रहे।

# मारपीट की घटना मे सोलह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कोतवाली पुलिस ने मारपीट की घटना को लेकर सोलह आरोपियो के खिलाफ क्रास केस दर्ज किया है। कोतवाली के तकिया खानापट्टी निवासी मो. युसुफ के पुत्र मो. मकसूद ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तीस मार्च को शाम साढे पांच बजे पुरानी रंजिश को लेकर गांव के अब्दुल रहमान, अहसैन आलम, रहमान, मो. इब्रार, अफसर, कुर्बान, साहबरीन, साहिल, सबीना, सलीमुन्निशा व शाहबरीन के भाई व बहन ने उसकी भतीजी को लाठी डंडे से मारापीटा। आरोपियो के हमले मे उसकी भतीजी बेहोश हो गयी। बीचबचाव को आये भाई व चाचा को भी आरोपियो ने घर मे घुसकर धारदार हथियार से हमला कर चोटें पहुंचायी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अब्दुल रहमान समेत दर्जन भर लोगों के खिलाफ बलवा तथा हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओ मे केस दर्ज किया है। वहीं दूसरे पक्ष के मो. युनुस की पत्नी सबीना ने दी गई तहरीर मे कहा है कि विपक्षी गांव के मो. ताज, मो. इरशाद, मकसूद, मरियम, मुमताज ने पीड़िता तथा उसके बच्चों को रंजिशन मारपीट कर घायल कर दिया। तहरीर पर मो. ताज समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष कमलेश पाल का कहना है कि तहरीर के आधार पर दोनों पक्षों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

# स्वयं सेवक राष्ट्र के उत्थान में निरंतर रहें कार्यरतः डा0 राधाकृष्ण

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ़ के सात दिवसीय विशेष शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना का सातवां दिन समापन के रूप में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा लालगंज के प्राचार्य प्रो. शैलेंद्र कुमार मिश्र एवं अध्यक्षता डॉ. अरविंद मिश्र के द्वारा किया गया।

स्वयंसेवकों ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मनोज मिश्र ने दीप प्रज्वलित किया तथा मां सरस्वती की अनुकंपा हेतु स्वयंसेवी शांभवी सिंह के द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके बाद श्रेया सिंह ने स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ. शैलेश कुमार पाण्डेय के सभी अतिथियों का परिचय कराते हुए स्वागत किया गया। इसके बाद सप्त दिवसीय शिविर के सात दिनों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में विभिन्न विद्वान मनीषियों द्वारा जागरूकता प्रदान की गई। इसके पश्चात महाविद्यालय के चीफ डॉ. राधाकृष्ण दुबे ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने कर्तव्य को समझें और राष्ट्र के उत्थान में निरंतर कार्यरत रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा जिनमें अंजली मिश्रा, आकांक्षा सिंह, तनसा नाज और अंकित पाल के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के इसी क्रम में वनस्पति विभाग की एसोसिएट प्रो. डॉ. किरण मिश्रा ने नारी सशक्तिकरण महिला सुरक्षा के प्रति स्वयंसेवकों को जागरूक किया। डॉ0 गीता शुक्ला ने आत्म बल व स्वावलंबन पर बल दिया। आज के हमारे कार्यक्रम में मुनीश्वरदत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्वान प्राध्यापकों में डॉ. रंजीत कुमार पटेल, डॉ. अरुण कुमार मिश्रा, डॉ. संजय कुमार दुबे, डॉ. अभिषेक सिंह एवं डॉ. अरुण कुमार वर्मा द्वारा स्वयं सेवकों का उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 शैलेश कुमार पाण्डेय (पुरुष इकाई) एवं डॉ. अमिता मिश्रा (महिला इकाई) के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन अमरेंद्र प्रताप सिंह, अंशिका पांडे एवं गार्गी कीर्ति पांडे के द्वारा मंच का कुशलतापूर्वक संचालन किया गया। डॉ0 शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा कार्यक्रम में आए समस्त आगंतुक एवं मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए संपूर्ण शिविर में सराहनीय, प्रशंसनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं का नाम लेते हुए उन को प्रेरित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, इनमें प्रमुख रूप से अमरेंद्र प्रताप सिंह, आदित्य मिश्रा, शिवम पाठक, मोहम्मद सरफराज, सौरभ सरोज, शिवांश मिश्रा, अंकित कुमार पाल, आकाश तिवारी, राज तिवारी, शांभवी सिंह, आयुषी सिंह, श्रेया मिश्रा, अंशिका पांडे, गार्गी कीर्ति पांडे, प्रिया शर्मा ,रिया वर्मा ,श्रद्धा मिश्रा ,तान्या सिंह, स्वप्निल विश्वकर्मा, आकांक्षा शर्मा, अंजली मिश्रा आदि प्रमुख रहे।

### एमडीपीजी कालेज में एनएसएस शिविर का हुआ समापन

एमडीपीजी कालेज में आयोजित एनएसएस शिविर में मौजूद अतिथिगण।

## मार्ग हादसे में चार युवकों की मौत से घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

**प्रतापगढ़।** शहर के पल्टन बाजार निवासी मो० इरशाद उर्फ गोलू पुत्र मो० मुतुर्जा (चम्पा सुर्ती वाले) लुकमान पुत्र वसीम, अबूबकर पुत्र नन्हे, इमरान पुत्र शमीम (भारत मेडिकल स्टोर) की हैदरगढ़ के पास कार दुर्घटना में हुई मौत से चारों घरों में कोहराम मच गया। एक साथ चार-चार युवकों की मौत से हर कोई हतप्रभ है। इस दौरान सभी चारों का शव पल्टन बाजार स्थित कब्रिस्तान में दफन किया गया। चारों युवकों के निधन की सूचना पर आज कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. लाल जी त्रिपाठी ,कांग्रेस शहर अध्यक्ष इरफान अली, प्रतापगढ़ सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ.नीरज त्रिपाठी एडवोकेट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राम शिरोमणि वर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, शहर कांग्रेस कमेटी के प्रभारी इश्तियाक अहमद जी आज उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किए एवं ईश्वर से प्रार्थना किए कि परिवारजनों को इस भारी दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

### किशोरी के अपहरण को लेकर केस

**लालगंज, प्रतापगढ़।** कोतवाली पुलिस ने किशोरी के अपहरण को लेकर आरोपी के खिलाफ गुरूवार को केस दर्ज किया है। कोतवाली के ढ़िगौसी निवासी अनुज निर्मल पुत्र यमुना प्रसाद निर्मल ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तीस मार्च को बगल के छतऊ का पुरवा निवासी अनिकेत सरोज पुत्र माताभीख उसकी बहन श्वेता 15 को बहलाफुसलाकर भगा ले गया।

### विकास खण्ड लक्ष्मणपुर में प्रशिक्षण का हुआ आयोजन, दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

**कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़।** विकासखंड लक्ष्मणपुर में प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक के एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। एस एम सी अध्यक्ष व प्रधानाध्यापक की बैठक में ब्लॉक के लगभग समस्त प्रधानाध्यापक एवं उनके विद्यालय के एस एम सी अध्यक्ष भी उपस्थित रहे।

संदर्भ दाता के रूप में ए आर पी विजय कुमार विश्वकर्मा ,रविंद्र कुमार पटवा, डॉक्टर संजीव शुक्ला, आशीष खरे ने एसएमसी के दायित्व व कार्य और विद्यालय के विकास के लिए मासिक बैठकों में प्रतिभाग करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। एसएमसी के सभी सदस्य जनपहल कार्यक्रम से जुड़े। जो आकाशवाणी से प्रसारित किया जाता है । कई प्रधानाध्यापकों ने एस एम सी के सहयोग से विद्यालय में जो विकास हुआ है उसकी चर्चा की। एसएमसी द्वारा सामुदायिक सहयोग एवं विद्यालयों को सुरक्षा भी प्राप्त हो रही है। इस बात से कई प्रधानाध्यापक सहमत हुए मुख्य रूप से मस्येन्द्रनाथ मिश्र, राजेश मिश्र ,राम मिलन ,सुमन सिंह और सुनीता यादव आदि प्रधानाध्यापक ने समिति के सकारात्मक सहयोग की सराहना की। और एसएमसी अध्यक्ष के समूह की तरफ से एसएमसी अध्यक्ष रमेश शर्मा कंपोजिंग विद्यालय रेडी ने अपने विद्यालय की सराहना की और एसएमसी अध्यक्ष का सहयोग किस प्रकार होना चाहिए।

### आगजनी मे दो के खिलाफ मुकदमा

**लालगंज, प्रतापगढ़।** मकान मे आगजनी को लेकर पुलिस ने दो आरोपियो के खिलाफ आगजनी तथा गालीगलौज व नुकसान समेत धमकी का केस दर्ज किया है। अझारा निवासी रामवृक्ष की पत्नी मझिला ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती छब्बीस मार्च को ढाई बजे दिन मे गांव के अमृतलाल सरोज पुत्र पंचू तथा धन्नू पत्नी अमृतलाल ने रंजिशन वादी के घर मे आग लगा दी। आगजनी मे गृहस्थी के सामान समेत साइकिल भी जलकर राख हो गयी। घटना मे पीड़िता के जेठ रामबरन व देवर रामप्रकाश के भी गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। पीड़िता ने घटना को लेकर उलाहना दिया तो आरोपियो ने गाली देते हुए जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बुधवार की रात अमृतलाल समेत दो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

### दिन व रात में बिजली की कटौती बढ़ रहा जनाक्रोश

**परियावां, प्रतापगढ़।** प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जनपद में 24 घंटे तहसील में 20 घंटे व ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली देने का फरमान सुनाया था। खास तौर पर रात में बिजली कटौती न करने का सख्त निर्देश दिया है, लेकिन विभाग मुख्यमंत्री के आदेशों को धता बताकर क्षेत्र में दिन व रात को बिजली की अधा धुंध कटौती हो रही है।

# पुलिस की ढिलाई पर सैकड़ों महिलाओं ने थाना घेरा

## सरसों एवं गेहूँ की ऊसर अवरोधी प्रजाति पर प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

**परियावां, प्रतापगढ़।** राजा दिनेश सिंह कृषि विज्ञान केन्द्र ऐठू द्वारा जनपद के किसानों को तिलहनी एवं खाद्यान्न फसलों के प्रति जागरूक करने हेतु विकास खण्ड कालाकांकर के छाछामऊ गॉव में निकरा कार्यक्रम के अंतर्गत सरसों की ऊसर अवरोधी प्रजाति (सी0एस0-60) तथा गेहूँ की के0आर0एल0-283 का समूहबद्व अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन किया गया था।

इस प्रजाति के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए प्रक्षेत्र दिवस का अयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्र के शस्य वैज्ञानिक डा0 नवीन कुमार सिंह ने किसानों को बताया कि सरसों की सी0एस0-60 प्रजाति अधिक ऊसर क्षेत्र के लिए है जहॉ की क्षारीयता 9.5 तक और खारे पानी से सिचाई की दशा में भी सामान्य प्रजातियों से 1.5 गुना अधिक उत्पादन के साथ-साथ 10 प्रतिशत तक अधिक तेल देने में सक्षम है। यह प्रजाति मात्र 100-110 दिन में परिपक्व हो जाती है तथा 18-19 कुन्तल प्रति हे0 उपज मिलती है। इसके साथ ही केन्द्रीय मृदा एवं लवण अनुसंधान केन्द्र के द्वारा निकाली गयी गेहूँ की ऊसर अवरोधी प्रजाति के0आर0एल0-283 का भी प्रदर्शन किया गया

### किसानों को दी गई जानकारी

ऊसर अवरोधी प्रजाति के साथ मौजूद किसानगण।

यह प्रजाति पी0बी0डब्ल्यू0-343, 550 आदि प्रजातियों की तुलना में उसर भूमि में भी अधिक उत्पादन देने में सक्षम है। किसान अपनी उच्च पी0एच0 भूमि में के0आर0एल0-283 तथा सरसों की सी0एस0-60 का उत्पादन देखकर इसकी कामयाबी से खुश है और वैज्ञानिक गण कृषक की जन चेतना और भागीदारी के समावेश व प्रजातियों की किसानों तक पहुँचाने से यह कामयाबी मिली है। इस अवसर पर गॉव के रावेन्द्र कुमार शुक्ला, रोशन लाल, शिव प्रकाश, हरिश्चन्द्र, छोटे लाल, रवि शंकर पाण्डेय, बाबू लाल, अर्जुन प्रसाद, सुरेश आदि लोग मौजूद रहे।

# पुलिस की ढिलाई पर सैकड़ों महिलाओं ने थाना घेरा

## आरोपियों की गिरफ्तारी पर शांत हुई महिलाएं

अखंड भारत संदेश

### बुधवार को चाय की गुमटी रखने वाली महिला को दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का मामला

**कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़।** मानधाता थाना के समीप स्वयं सहायता समूह की कोषाध्यक्षा तथा गुमटी लगाकर चाय बेंचकर जीवन यापन करने वाली महिला अनीता गुप्ता को कुछ लोगों ने दौड़ाकर पीटकर बुरी तरह से घायल करने के मामले में मानधाता पुलिस की ढिलाई के विरोध में आज गुरुवार को लगभग तीन सौ महिलाओं ने मानधाता थाने को घेर लिया और पुलिस के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। पीड़ित महिला का इलाज प्रयागराज में चल रहा है। उसके समर्थन में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं तथा बीडीओ मानधाता थाना पहुंचे थे। महिलाओं के दबाव के चलते पुलिस ने चार आरोपियों सत्य नारायण सोनी, कन्हैया लाल सोनी, जग नारायण सोनी व अनिल सोनी के विरुद्ध भादवि की धारा 323, 504, 506 तथा 354 ख के तहत एफआईआर दर्ज कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लेने पर आंदोलनकारी महिलाएं शांत हुई। मानधाता पुलिस ने पीड़ित महिला के विरोध में भी अनिल सोनी की तहरीर पर भादवि की धारा 504, 506 के तहत रिपोर्ट दर्ज कर क्रास केस बनाया है। घटना के बारे में बताया जाता है कि अनीता गुप्ता पत्नी पप्पू गुप्ता की मानधाता में चाय की गुमटी है। वह स्वयं सहायता समूह की कोषाध्यक्षा भी है। चाय बेंचकर अपना गुजारा कर रही है। यह बात गुमटी के पास रहने वालों को अच्छी नहीं लगती थी। बुधवार को चारों आरोपियों को अनीता को दौड़ा-दौड़ाकर उसकी बेटी के सामने पीटा था जिससे वह अचेत होकर गिर गयी थी। उसका उपचार प्रयागराज में चल रहा है जहां उसकी हालत नाजुक है। ऐसे गंभीर मामले में भी मानधाता पुलिस मूकदर्शक बनी रही। आज जब महिलाओं ने थाना की घेराबंदी की तब पुलिस हरकत में आई और चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

# डीजल व पेट्रोल के दामों मे बढोत्तरी को मोदी सरकार की विफलताः प्रमोद

### सीएलपी नेता ने लोगों की सुनीं जनसमस्याएं

अखंड भारत संदेश

**लालगंज, प्रतापगढ़।** क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कार्यकताओं तथा क्षेत्रीय लोगों को भरोसा दिलाया है कि रामपुर खास मे विकास की प्रक्रिया अनवरत तेजी से जारी दिखती रहेगी।

गुरूवार को विधायक मोना ने स्थानीय कैम्प कार्यालय पर कार्यकताओं से मुलाकात कर क्षेत्रीय विकास मे सहयोग मांगा। वहीं कैम्प कार्यालय पर बड़ी संख्या मे आये जरूरतमंदो की समस्याओं की सुनवाई करते हुए इनके निदान कराये जाने का भी भरोसा दिलाया। इसके पूर्व विधायक आराधना मिश्रा मोना ने बेलहा के गंभीराबाद मे सामूहिक रूप से आयोजित अवसान देवी मां के पूजन अर्चन उत्सव मे शामिल हुई। दुरदुरिया कार्यक्रम मे विधायक मोना ने महिलाओं से संवाद करते हुए देवी उपासना को लोक कल्याण के प्रति समर्पण की आराधना भी बताया। उन्होनें कहा कि महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र मे भी रामपुर खास को आत्मनिर्भरता जारी रहेगी। कार्यक्रम का संयोजन सरला शुक्ला एवं अर्चना शुक्ला ने किया। स्वागत रितिका शुक्ला व पूजा तथा आभार प्रदर्शन मीरा सिंह एवं संगीता सरोज ने किया। कार्यक्रम मे रश्मि शुक्ला, आशा सिंह, कंचन सिंह, शशि सिंह, विनीता यादव, उमा शुक्ला, बीनू शुक्ला, काजल शुक्ला ने देवी भजन से मां की परम्परागत अभ्यर्चना की। इधर सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने क्षेत्र के राहाटीकर, आमीशंकरपुर, राजमतीपुर, बाबा घुइसरनाथ धाम मे विविध कार्यक्रमों मे इस समय लगातार डीजल व पेट्रोल के दामों मे बढोत्तरी को मोदी सरकार द्वारा जनता के साथ खुला विश्वासघात ठहराया। इस मौके पर अशोक सिंह बब्लू, अमित सिंह, संतोष द्विवेदी, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, ददन सिंह, लल्लन सिंह, पवन शुक्ल, रिंकू सिंह परिहार, अशोक द्विवेदी, महेन्द्र सिंह, दगपाल यादव, सुनील त्रिपाठी, पप्पू तिवारी, छोटे लाल सरोज, खुर्शीद शेख, झुन्ना तिवारी, आलोक सिंह, दयाराम वर्मा, रामकृपाल पासी, गुडडू सिंह, प्रीतेन्द्र ओझा, शास्त्री सौरभ, रामू मिश्र, सिंटू मिश्र, विकास मिश्र, इरफान हुसैन, त्रिभु तिवारी, ओम पाण्डेय, अंशुमान तिवारी, भूपेन्द्र तिवारी, सत्येंद्र सिंह, मुरलीधर तिवारी आदि रहे।

लालगंज कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई करती विधायक मोना

## खबर संक्षेप

### ग्यारह विवेचनाओं का किया गया निस्तारण

**कौशाम्बी।** पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के सभी विवेचकों के साथ गोष्ठी कर विवेचनाओं का निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया था जिसके क्रम में 11 विवेचनाओं का निस्तारण किया गया है जानकारी के मुताबिक थाना मंझनपुर द्वारा 05 विवेचनाओं का निस्तारण थाना करारी द्वारा 03 विवेचनाओं का निस्तारण थाना पश्चिम शरीरा द्वारा 01 विवेचनाओं का निस्तारण व थाना कोखराज द्वारा 02 विवेचनाओं का निस्तारण किया गया।

### 27 अगस्त को घोषित हुआ कार्यदिवस

**कौशाम्बी।** उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा होली अवकाश के क्रम में 19 मार्च 2022 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के एवज में किसी एक चतुर्थ शनिवार को कार्यदिवस के रूप में घोषित किये जाने के निर्देश के अनुपालन में माह अगस्त 2022 में पड़ने वाले चतुर्थ शनिवार 27 अगस्त 2022 को कार्यदिवस के रूप में घोषित किया जाता है।

# संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

**ससुराली जनों पर विवाहिता ने हत्या किए जाने की जाहिर की थी आशंका पंचायत के बाद एक दिन पहले विवाहिता को भेजा गया था ससुराल**

अखंड भारत संदेश

**कोखराज कौशांबी।** कोखराज थाना क्षेत्र के बरीपुर गांव की एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के भीतर फंदे से लटकता मिला है सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है विवाहिता का लंबे समय से ससुराली जनों से विवाद चल रहा था विवाहिता ने ससुराली जनों पर हत्या किए जाने की आशंका जाहिर की थी लेकिन पंचायत के बाद विवाहिता को फिर ससुराल भेज दिया गया जहां उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है।

घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बिदनपुर निवासी प्रियंका देवी (26) वर्ष की शादी इसी थाना क्षेत्र के बरी पुर गांव निवासी कमलेश कुमार के साथ 6 वर्ष पूर्व हुई थी उसके 4 वर्ष का बेटा व 6 माह की बेटी भी है शादी के बाद से ही आएदिन विवाहिता का उत्पीड़न होता था गुरुवार की सुबह उसके पति कमलेश कुमार ने बताया कि बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फांसी लगा लिया कमलेश कुमार का कहना है कि सुबह जब वह सोकर उठा तो उसने देखा कि उसकी पत्नी फाँसी के फंदे में झूल रही है उसके होश उड़ गए उसने शोर मचाया गॉव के तमाम लोग इकट्ठा हो गए और मृतक को फाँसी के फंदे से नीचे उतारा व कोखराज पुलिस को सूचना दे दी गयी गौर करने वाली बात यह है कि लंबे समय से विवाहिता अपने मायके में रह रही थी लेकिन पंचायत के बाद मृतका कल ही अपने मायके से ससुराल आयी थी जहां बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विवाहिता के मौत के बाद घर पर लगी ग्रामीण महिलाओं की भीड़

### रेलवे ट्रैक में मिले शव की हुई शिनाख्त

**अझुवा कौशाम्बी।** 30 मार्च देर रात सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू रेलवे स्टेशन से लगभग 400 मीटर पश्चिम दिशा में अप रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 52 वर्ष की ट्रेन की टक्कर से मौत हो गई थी सूचना पर पहुंची सिराथू चौकी पुलिस ने शव शिनाख्त करवाने का प्रयास किया जिसकी शिनाख्त विनोद सरोज उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र सुईय्या निवासी वार्ड नंबर 4 नगर पंचायत सिराथू थाना सैनी के रूप में हुई है उसके पुत्र शिवा सरोज द्वारा शव की शिनाख्त किया गया है अधेड़ ने आत्महत्या की या उसकी हत्या हुई है यह जानकारी नहीं हो पाई है।

### युवक ने किया खुदकुशी परिजनों में मचा कोहराम

**अझुवा कौशाम्बी।** सैनी कोतवाली क्षेत्र के केन ग्राम सभा के मजरा अहिरन का पुरवा निवासी युवक ने प्रयागराज में खुदकुशी कर ली है। जानकारी के अनुसार आदित्य कुमार यादव उम्र तकरीबन 28 वर्ष पुत्र कमल सिंह निवासी अहिरन का पुरवा ग्राम सभा केन निवासी हैं जो प्रयागराज डीआरएम ऑफिस में नौकरी करते थे परिजनों के अनुसार युवक की सगाई कुछ माह पहले फतेहपुर निवासी एक युवती से तय हुई थी शादी तय होने के बाद युवक और युवती में फोन से बात होने लगी आपस का घनिष्ठ प्रेम संबंध स्थापित हो गए युवक आदित्य कुमार यादव ने लोन लेकर फतेहपुर में ही एक जमीन की रजिस्ट्री युवती के नाम करवा दी अचानक लड़की के परिजनों ने शादी करने से इनकार कर दिया युवती ने भी आदित्य कुमार यादव से बातचीत बंद कर दिया युवक के सामने बड़ी विकट समस्या खड़ी हुई इससे आहत होकर युवक ने बीती रात प्रयागराज में फांसी लगाकर जान दे दी है शव गांव पहुंचने पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

## न्यूज झरोखा

### जिला जज के साथ डीएम एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

**कौशांबी।** जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिला जज,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिकाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रुप से 31 मार्च को जिला कारागार का निरीक्षण किया संयुक्त रूप से जेल निरीक्षण के दौरान जेल सिक्योरिटी, कार्यालय आवास परिसर को चेक किया गया और जेल अधीक्षक को सुरक्षा से संबंधित कड़े नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया

### डीएम एसपी ने किया स्कूलो का निरीक्षण

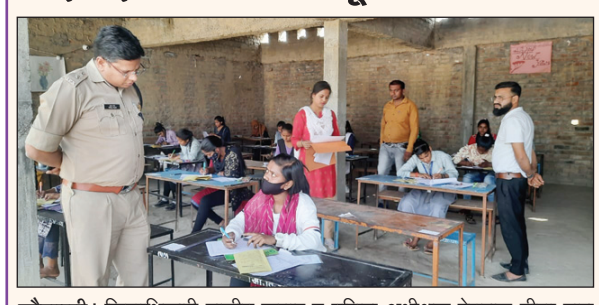



**कौशाम्बी।** जिलाधिकारी सुजीत कुमार व पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा द्वारा संयुक्त रूप से यूपी बोर्ड की परीक्षा का निरीक्षण किया है निरीक्षण के दौरान डीएम एसपी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही या नकल बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा को नकल बिहीन संपन्न कराया जाए इसमें सभी शिक्षकों का सहयोग आवश्यक है यूपी बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन व पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों श्री दुर्गा देवी इण्टर कालेज ओसा डीएन स्कूल एण्ड कालेज चपरी आम ओसा तथा करारी इंटर कालेज करारी में पहुँच कर परीक्षा केंद्र का दोनों अधिकारियों ने विधिवत निरीक्षण किया व सीसीटीवी कक्ष का निरीक्षण किया साथ ही निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी

### कलेक्ट्रेट कर्मी के सेवानिवृत्त होने पर माला पहनाकर किया गया स्वागत

**कौशाम्बी।** कलेक्ट्रेट कर्मी के सेवानिवृत्त होने पर उनके सम्मान में विदाई समारोह का कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित किया गया जहां सेवानिवृत्त कर्मी को माल्यार्पण कर साथियों ने उनका स्वागत किया और उनके कार्यों की सराहना की धर्मराज, प्रधान सहायक कलेक्ट्रेट कौशाम्बी अपनी अधिवर्षता आयु 60 वर्ष पूर्ण कर आज दिनांक 31 मार्च 2022 को सेवा निवृत्त हुए हैं, जिनके सम्मान में कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारीगणों द्वारा उनको फूल माला पहनाकर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रमाकान्त पटेल श्याम बिहारी राजीव रंजन इम्तियाज नजमुल हसन अंगद सिंह धारा सिंह चन्द्रपाल सिंह राकेश कुमार मौर्य सुरेश सिंह सुभाष जायसवाल रामकरन पाल फहीम सहन नीलकण्ठ गोवर्धन शुक्ल एव सुनील सिंह आदि अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

### भाजपा नेता ने किया राष्ट्रीय पक्षी मोर का अंतिम संस्कार

**कौशाम्बी।** राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो जाने के बाद प्रशासनिक लापरवाही के चलते वह गांव में पड़ा था जिस पर भाजपा युवा नेता प्रेमु मिश्रा ने राष्ट्रीय पक्षी मोर का अंतिम संस्कार कर एक मानवता की मिसाल पेश की है। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के शुक्लन के पुरवा के पास गुरुवार की सुबह गांव के बाहर राष्ट्रीय पक्षी मोर मृत हालत में पड़ा था जिसकी जानकारी मिलने पर भाजपा युवा नेता प्रेमु मिश्रा मौके पर पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रीय पक्षी मोर को मृत पडा. देख कर फिर उन्होने तुरंत ही उस मृत पडे. मोर को मिट्टी मे दफनाते हुए सादर प्रणाम कर एक जनहित कार्य कर सभी लोगो के लिए एक मानवता की मिसाल पेश की है,इस सराहनीय कार्य ने पूरे जिले के सभी लोगो का दिल जीत लिया राष्ट्रीय पक्षी मोर को सम्मान अंतिम संस्कार किए जाने का शासनादेश है लेकिन राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत पर अधिकारियों ने उसके अंतिम संस्कार की पहल नहीं की है

### नगर पंचायत चायल में नाला निर्माण कार्य में हो रहा घोटाला



**चायल कौशाम्बी।** नगर पंचायत चायल में हो रहे नाला निर्माण में न तो इंजीनियर देखने आते है और न ही ठेकेदार जिसमे घटिया सामग्री लगा कर नाला बनाया जा रहा है। टेंडर के अनुसार नाले में लगने वाला गिट्टी, बालू, सरिया, का उपयोग नहीं किया जा रहा है बिना टेंडर मानक के ही नाला निर्माण का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है की ये नाला ज्यादा दिन तक नही चलेगा। ठेकेदारों ने टेंडर मानक से परे काम कराया जा रहा है। आपको बता दें की नाला के निचले हिस्से पर पानी में ही सीमेंट बालू गिट्टी फेक कर नाला बनाया जा रहा है।

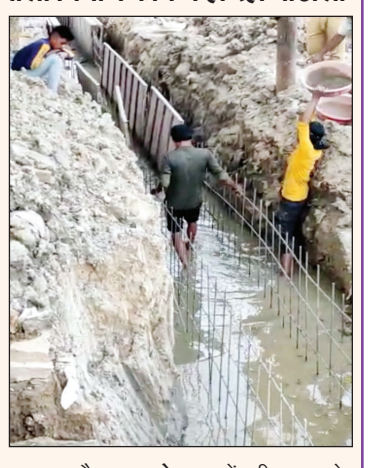

### अवैध चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

**कौशाम्बी।** थाना सैनी पुलिस बल द्वारा अभियुक्त रामकरन पुत्र भुल्लन निवासी वार्ड न0-01 कस्बा सिराथू थाना सैनी को एक अदद अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

### शांति भंग में 13 गिरफ्तार

**कौशाम्बी।** पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना करारी से 04, थाना पश्चिम शरीरा से 02, थाना कोखराज से 01, थाना मोहब्बत पूर पाइंस से 01, थाना कड़ाधाम से 05) कुल 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है।

# सेवानिवृत्त शिक्षक का सम्मान पूर्वक किया गया विदाई

**सेवानिवृत्त शिक्षक ने कहा कि समाज को शिक्षित करने का है उद्देश्य और अपने अंतिम दिनों तक इस कार्य को वह करते रहेंगे**

**कौशाम्बी।** पश्चिम शरीरा थाना अंतर्गत पूरब शरीरा गांव निवासी श्रीधर पांडेय पुत्र स्वर्गीय अयोध्या प्रसाद पांडेय शिक्षा विभाग में शिक्षक के पद पर कार्यरत होते हुए 31 मार्च को सेवानिवृत्त हो गए हैं सेवानिवृत्त होने पर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया और उनके कार्यों की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक श्रीधर पांडेय का कार्यकाल हमेशा याद किया जाएगा उन्होंने कहा कि शिक्षकों के बीच मधुर व्यवहार और अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा सजग रहने वाले शिक्षक श्रीधर पांडेय ने अपने ड्यूटी के दौरान कभी लापरवाही नहीं बरती है उनकी योग्यता और कर्मठता से शिक्षा लेने की जरूरत है इस मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक श्रीधर पांडेय ने कहा कि उनका पूरा जीवन छात्रों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित है और सेवानिवृत्त होने के बाद बाद छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए अपने घर से छात्रों को शिक्षित करते रहेंगे उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पूरे समाज को शिक्षित करने का है और इस काम को अपने अंतिम दिनों तक पूर्ण करते रहेंगे बताते चलें कि पश्चिम सरीरा के पूरब शरीरा निवासी शिक्षक श्रीधर पांडेय मंझनपुर तहसील क्षेत्र के नारा स्थित जगत नारायण इंटर कॉलेज में संस्कृत के प्रवक्ता थे आज उनकी विदाई बड़े धूमधाम के साथ हुई इस दौरान कालेज के प्रधानाचार्य श्रीकांत त्रिपाठी आदित्य दिवेदी गिरधारी पांडेय आकाश द्विवेदी सुरेंद्र सुशील दिनेश यादव मंगल दास गुप्ता आदि शिक्षक कॉलेज के छात्र छात्राए मौजूद रही।

# कोविड-19 से अनाथ हुए बच्चों का प्रदेश सरकार कर रही है भरण-पोषण

अखंड भारत संदेश

**4000 रुपए प्रतिमाह की दर से सरकार द्वारा दी जा रही सहायता**

**कौशाम्बी।** प्रदेश में कोविड-19 महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों के उनके भरण-पोषण शिक्षा चिकित्सा आदि की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना प्रारम्भ की है जिसमे शून्य से 18 वर्ष की उम्र तक के ऐसे बच्चे जिनके माता या पिता अथवा दोनों की मृत्यु कोविड-19 के संक्रमण से हो गई है। ऐसे बच्चों को 4000 रुपए प्रतिमाह की दर से सरकार द्वारा सहायता दी जा रही है। इस महामारी में कुछ ऐसे बच्चे जो पूर्णतया अनाथ हो गए हैं, उन्हें बाल कल्याण समिति के आदेश से महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बाल्य देखभाल संस्थाओं में आवासित कराया जा रहा है 11 से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की कक्षा-12 तक की निःशुल्क शिक्षा हेतु अटल आवासीय विद्यालयों तथा बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार अनाथ हुई बालिकाओं के शादी योग्य होने पर शादी हेतु एक लाख एक हजार की राशि भी उपलब्ध करा रही है। ऐसी श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले कक्षा-9 या इससे ऊपर की कक्षा में अथवा व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 18 वर्ष तक के बच्चों को सरकार द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे हैं प्रदेश में जनपद स्तर पर अनाथ हुए बच्चों को लाभ दिलाने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों को अपनी देखभाल में रखने वाले अभिभावकों से सम्पर्क कर आवेदन पर भराए जा रहें हैं। अब तक प्रदेश में 9,904 ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दोनों या माता या पिता में से किसी एक की मृत्यु कोविड से हुयी है, को चिन्हित कर लगातार त्रैमासिक रूप में अग्रिम धनराशि प्रेषित करते हुए प्रदेश सरकार इनका भरण-पोषण, शिक्षा, चिकित्सा, बालिकाओं के विवाह आदि पर धनराशि दे रही है प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के कारण माता-पिता दोनों या किसी एक अथवा अभिभावक को खोने वाले बच्चों के साथ ही अब उन बच्चों को भी हरसंभव मदद पहुँचाने की योजना शुरू की है जिन्होने कोविड से इतर कारणों से कोरोना काल में अपनों को खोया है सरकार द्वारा जुलाई 2021 में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) शुरू की गई है। इस योजना का लाभ बच्चों, किशोरों को प्रदान किये जाने हेतु सरकार द्वारा समस्त जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। इस योजना के अंतर्गत 18 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिन्होनें कोरोना से इतर कारणों से पहली मार्च 2020 के बाद माता-पिता दोनों या किसी एक को अथवा अभिभावक को खोया है, उनको प्रतिमाह 2500 रुपए की मदद पहुंचाई जा रही है इस श्रेणी में आने वाले 18 से 23 साल के युवक युवती जिन्होंने कक्षा-12 की परीक्षा उत्तीर्ण कर राजकीय डिग्री कालेज विश्वविद्यालय अथवा तकनीकी संस्थान से स्नातक की डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त करना चाह रहे हैं, उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। इसके अलावा नीट, जेईई व क्लैट जैसे राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले मेधावी छात्रों को 23 वर्ष की आयु पूरी होने या स्नातक शिक्षा अथवा मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थान से डिप्लोमा प्राप्त करने में जो भी पहले हो तक, इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। इसमें वह किशोर भी शामिल किये जा रहे हैं जिनकी माता तलाकशुदा या परित्यक्त हैं अथवा जिनके माता-पिता या परिवार का मुख्यकर्ता जेल में हैं। इसके साथ ही बाल श्रम बाल भिक्षावृत्ति बाल वेश्यावृत्ति से मुक्त कराकर परिवार पारिवारिक वातावरण में समायोजित कराये गये या भिक्षावृत्ति वेश्यावृत्ति में शामिल परिवारों के बच्चों को भी इस योजना में लाभान्वित किया जा रहा है। प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत अभी तक कुल 4,946 बच्चों को चिन्हित कर लाभान्वित किया गया है।

# एनडी कान्वेंट स्कूल एन्ड कालेज में हुआ रिजल्ट कार्ड वितरण

अखंड भारत संदेश

**संस्थान के प्रबधंक संजय कुमार गुप्ता पूर्व विधायक ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिक्षा ही सेतु है जो समाज की उन्नति का कारक हो सकता है**

**कौशाम्बी।** भरवारी स्थित एनडी कान्वेंट स्कूल एन्ड कालेज में दिनांक 31 मार्च को क्लास नर्सरी से 11ळ्ल तक की कक्षाओं का रिजल्ट वितरित किया गया। रिजल्ट देखते ही बच्चों के चेहरे खिल उठे। संस्थान ने रिजल्ट वितरण को एक पर्व की तरह मनाया गया। तथा आने वाले अभिभावकों ने भी बड़े उत्साह के साथ रिजल्ट वितरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जहाँ नर्सरी में शिवांश यादव 90%, काव्यांश 82%, आदर्श सिंह 80% तथा छङ्क्ष में अभिनव यादव 84% , देवेश त्रिपाठी83% , जानवी 81% वङ्क्ष में पुष्पराज 90%, पूजा 84%, 1रळ में अक्षत 96.57%, शिवांश 89.2% , अनिरूद्ध रस्तोगी 88.7%, 2ल्ला में आदित्य चावला 94.28%, पंखुडी 92.71%, अनन्या त्रिपाठी 84.85%, 3ा में यशी 91.1%, शीवानी 85.14%, संस्कृति 85%, 4ाँ में जया 85.28% विदित 85.14% , 5ाँ में अनन्या पांडेय 70.5% , आरूष चावला 69% , प्रातीक्षा 69%, 6ाँ में साची 93%, स्वाति 91% साक्षी 89.5% , रचित 87.77% उत्कर्ष 86.77% अंकित 85.88%, 7ाँ में रिद्धि 94.7% प्रज्ञा 94% सक्षम 92.56%, आयुष 92.22% , प्रियाशु 88.11% , 8ाँ में नैंसी अनन्या , प्रवीण 87% रामजी आदित्य जय 9ाँ में रिमझिम 92.4%, सेजल 90.1%, इकरा 87.5% आदित्य 92.3%, अनुज 90.3%, अलोक 86.7% ,11ाँ में प्रमोद 74% अलमीना 71% हिमांशी 70% , आनन्द 77.87% वैभव 81% जागृति 79% , प्रदीप 82.9% दीपक 76.4% दीपांजलि 73.1% कृतिका 72.8% प्रिया 69% ने क्रमशः प्रथम द्वतीय तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ मंयक कुमार मिश्रा ने बच्चों के सुनहरे भविष्य की हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई दी उन्होने अपने संदेश में कहा कि बिना परिश्रम के कभी भी सुनहरे भविष्य का निर्माण नहीं हो सकता है। शिक्षा के माध्यम से ही परिवार , समाज का सवार्गीण विकास सम्भव है। संस्थान के प्रबधंक संजय कुमार गुप्ता पूर्व विधायक ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपने संदेश में कहा कि शिक्षा ही सेतु है जो समाज की उन्नति का कारक हो सकता है। वही की प्रधानाचार्य सीमा पवार ने कहा कि शिक्षा समाज का आभूषण है शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जो समाज का आधार भूत अंग बनाती है। सभ्य समाज की स्थापना बिना शिक्षा के सम्पूर्ण नही हो सकती है। इस अवसर में प्रधानाचार्य एन0 डी0 ब्वायज आर0 पी0 चतुवेर्दी , उप प्रधानाचार्य गायत्री चावला अंजना गुप्ता , विजय यादव, लोकेश सिंह , सौमित श्री चन्द्र , बद्री विशाल शुक्ला , सुमन कुशवाहा , सत्यानन्द वेद प्रकाश नीरज शर्मा शाश्वत आदि रहे।



रिजल्ट घोषित होते ही जश्न मनाते स्कूल के छात्र और शिक्षक

### वन स्टॉप सेंटर से भागी बालिकाओं प्रकरण में मजिस्ट्रेट जांच शुरू

**कौशांबी।** संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में जिला प्रबेशन कार्यालय के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर की स्थापना की गई थी जहां बालिकाओं को संरक्षित किया जाता था लेकिन 3 फरवरी को खुशी दिवाकर पुत्री राम कुमार दिवाकर ओसा और प्रियंका पुत्री हरिलाल बराई बंधवा वन स्टॉप सेंटर की दूसरी मंजिल पर बनी खिड़की तोड़कर फरार हो गई थी दो बालिकाओं के अचानक फरार हो जाने के बाद प्रशासनिक गलियारे में हड़कंप मच गया आनन-फानन में बालिकाओं की खोजबीन शुरू हुई काफी प्रयास के बाद पुलिस ने दोनों बालिकाओं को खोज निकाला बालिकाओं का बयान महिला थानेदार ने लिया जिस पर बालिकाओं ने कहा कि उन्हें साजिश रच कर कुछ लोगों ने भगाया है लेकिन बाद में बालिकाए अपने बयान से मुकर गई उनका कहना है कि महिला थानेदार ने उनके ऊपर दबाव डालकर बयान दर्ज कराया है बालिकाओं का कहना है कि वह अपने स्वेच्छा से भागी हैं इसमें किसी का दोष नहीं है मामले को लेकर जिला मजिस्ट्रेट ने मजिस्ट्रेट जांच शुरू करा दी है 7 मार्च को मजिस्ट्रेट जांच की आख्या जिला अधिकारी को भेजी गई है मामले को लेकर महिला सिपाही प्रतिमा देवी पीआरडी के जवान सरिता देवी और मीना देवी को निलंबित किया जा चुका है चर्चा है कि बाद में सुरक्षाकर्मियों को बहाल कर दिया गया है वहीं वन स्टॉप सेंटर की काउंसलर रेखापाल मैनेजर शशि देवी त्रिपाठी को भी निलंबित किया जा चुका है चर्चा है कि बाद में रेखा पाल को बहाल कर दिया गया है बाल कल्याण समिति की सदस्य निधि त्रिपाठी को भी बाल कल्याण समिति से हटाए जाने का निर्देश दिया गया है पूरे मामले में मजिस्ट्रेट की जांच पूर्ण होने के बाद दोषी चिन्हित होंगे जिन पर कठोर कार्रवाई जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी मजिस्ट्रेट जांच को लेकर हड़कंप मचा हुआ है महिला थाना पुलिस के सामने दिए गए बयान के बाद बालिकाओं द्वारा अपने बयान से इनकार करने के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है बालिकाओं का कहना है कि उन्हें महिला थानेदार ने बयान बदलने के लिए दबाव डाला है और यदि बालिकाओं पर दबाव डालकर महिला थानेदार ने बयान दर्ज कराया है तो महिला थानेदार भी कार्यवाही की जद में झुलस सकती हैं वन स्टाफ सेंटर से बालिकाओं का भाग जाना और फिर उनकी बरामदगी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है आखिर वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी किस लिए लगाई गई थी सुरक्षाकर्मी यदि अपने ड्यूटी पर सजग होते तो महिला वन स्टॉप सेंटर की दूसरी मंजिल की खिड़की तोड़कर दिनदहाड़े दो बालिकाएं कैसे भाग जाती लेकिन सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले सुरक्षाकर्मियों पर अभी तक कठोर कार्यवाही नहीं हो सकी है।

# राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा हेतु करे आवेदन

अखंड भारत संदेश

**कौशाम्बी।** जिला विद्यालय निरीक्षक ने जनपद के समस्त राजकीक अषासकीय सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालय व इण्टर कालेज के प्रधानाचार्यो अभिभावकों को सूचित किया है कि राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2022-23 हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 21 मार्च 2022 से बढ़ाकर दिनांक 04 अप्रैल 2022 कर दी गयी है आवदेकों द्वारा हुई त्रुटियों में संषोधन की तिथि 05 अप्रैल 2022 निर्धारित की गयी है समस्त पात्र छात्र छात्राएं वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं यह परीक्षा जनपद के निर्धारित केन्द्र पर दिनांक 24 अप्रैल 2022 को सम्पन्न होगी।

### चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

**कौशाम्बी।** पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनो को चेक किया गया व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 109 वाहनों का ई चालान किया गया एवं 02 वाहनों का चालान कर 3500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया।

### वांछित अभियुक्त किया गया गिरफ्तार

**कौशाम्बी।** थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद निवासी मारुफपुर थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

# सरकारी जमीनों पर कब्जा कर बेचने वाले रैकेट सक्रिय!

अखंड भारत संदेश

**ग्राम समाज की बेशकीमती जमीन पर हो रहा है अवैध कब्जा भूमाफिया जमीन को मंहगे दामों पर बेचकर हो रहे हैं मालामाल**

**कौशाम्बी।** सरकारी जमीनों पर कब्जा करने के बाद उसे प्लाट बना कर बेचने वाले रैकेट के सदस्य पूरी तरह से सक्रिय हैं इस रैकेट में तहसील के राजस्व कर्मी भी शामिल है जो जिलाधिकारी को गुमराह कर देते हैं जिससे जिले में सरकारी जमीन सुरक्षित नहीं रह गई हैं और रैकेट के सदस्य सरकारी जमीनों को कब्जा कर प्लॉट बनाकर बेच कर करोड़ों का धन अर्जित कर रहे हैं सब कुछ खुलेआम हो रहा है जांच के नाम पर लीपापोती हो रही है आखिर कब तक सरकारी जमीनों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार कठोर रुख अख्तियार कर अधिकारियों पर चाबुक चलाएंगे।

सिराथू तहसील क्षेत्र के कादीपुर ग्राम सभा में बन रहे मेडिकल कॉलेज के सामने राजस्व विभाग और लेखपाल की मिली भगत से भूमाफियाओं की बल्ले बल्ले है यह भूमाफिया गांव की बेशकीमती जमीन पर लेखपाल की मिली भगत से जमीन पर अवैध कब्जा कर महंगी कीमत पर जमीन बेच रहे हैं जिससे भूमाफिया सहित लेखपाल की भी चांदी है सिराथू तहसील क्षेत्र के कादीपुर गांव में ग्राम समाज की बेशकीमती करोड़ो की जमीन पर भूमाफिया लेखपाल की मिली भगत से कब्जा कर मंहगे दामों में बेच रहे हैं जहां एक ओर भूमाफिया मालामाल हो रहे हैं तो दूसरी ओर लेखपाल की भी चांदी है जिसमें ग्राम सभा के लोगों में आक्रोश व्याप्त है कि जो व्यक्ति निहायत ही गरीब एवं पात्र है उसको ना आवासीय पट्टा ना खेत का पट्टा दिया गया है बल्कि उसका उल्टा खेल हो रहा है ग्राम वासियों ने जिले के आला अधिकारियों से सरकारी जमीन बचाए जाने की गुहार लगाई है।

### मौली गांव के लेखपाल के आतंक से ग्रामीण परेशान

**कौशाम्बी।** चायल तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मौली में सरकारी जमीनों पर कब्जा कराने और उन्हें खाली कराने के खेल में लेखपाल ने आतंक मचा रखा है सरकारी जमीन की सुरक्षा के नाम पर जिनसे धन मिल रहे हैं उन्हें लेखपाल नजरअंदाज कर रहे हैं और जिन से मुंह मांगी रकम नहीं मिल पाती है उनकी जमीन नाप जोक के नाम पर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है तमाम काश्तकार भी लेखपाल के आतंक अत्याचार से परेशान हैं सूत्रों की माने तो लाखों रुपए महीने की अवैध वसूली में लेखपाल लिप्त है सोमवार को फिर लेखपाल मौली ग्राम पहुंचे थे और गलत तरीके से जमीन की नाप जोक लेखपाल कर रहे थे आरोप है कि गलत तरीके से जमीनों की लेखपाल कर तमाम ग्रामीणों को वह परेशान कर रहे थे जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है लेखपाल के कारनामे से आक्रोशित ग्रामीणों ने सार्वजनिक स्थल पर चर्चा करना शुरू कर दिया है और जल्द ही लेखपाल के कारनामों की शिकायत राजस्व अधिकारियों से ग्रामीण कर सकते हैं।

## संपादकीय

# इमरान खान हो गए हिट विकेट!

**अब** पाकिस्तान में इमरान सरकार का बचना मुश्किल है। कल पाकिस्तान के सेनापति कमर बाजवा और आईएसआई के मुखिया जनरल नदीम अंजुम से इमरान की काफी लंबी भेंट हुई। ये दोनों इमरान से नाराज हैं।

यदि इमरान ने इन दोनों को पटा लिया हो तो हो सकता है कि इमरान हारी हुई बाजी जीत जाएं, क्योंकि पाकिस्तान की राजनीति की असली धुरी फौज ही है। पाकिस्तान के जो राजनीतिक दल इमरान की पार्टी पीटीआई को समर्थन दे रहे थे और उसकी अल्पमत की सरकार को जिंदा रखे हुए थे, वे भी फौज का बदला हुआ रवैया देखकर अब इमरान का साथ छोड़ रहे हैं। इमरान के अपने लगभग दो दर्जन सांसदों ने बगावत का झंडा थाम रखा है।

यदि इमरान उन्हें भी किसी तरह जोड़े रखें तो भी अब मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के 7 सांसद विरोधी खेमे में शामिल हो गए हैं। इमरान की गठबंधन सरकार सिर्फ 5 सदस्यों के बहुमत से चलती जा रही थी। वह अब अल्पमत में चली गई है। इमरान अब भी इस्तीफा नहीं दे रहे हैं। वे कहते हैं कि अभी भी उनके पास तुरुप का पत्ता है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री पद से अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री का इस्तीफा करवाकर मुस्लिम लीग (का) के परवेज इलाही को मुख्यमंत्री बनवा दिया है ताकि इस पार्टी के 7 सांसद टूटे नहीं। समझ में नहीं आता कि इमरान अब कौन सा तुरुप का पत्ता चलने वाले हैं?

क्या वह अपनी जगह अपने बागियों में से किसी को प्रधानमंत्री बनाकर अपनी सरकार बचा लेंगे? सभी विरोधी दल मांग कर रहे हैं कि 3 अप्रैल को अविश्वास प्रस्ताव के पहले ही इमरान इस्तीफा दे दें लेकिन इमरान तो इतिहास बनाने पर तुले हुए हैं। 1957 में सिर्फ दो माह तक प्रधानमंत्री रहने वाले इब्राहिम चुंदरीगर ही ऐसे एक मात्र प्रधानमंत्री हुए हैं, जिन्हें संसद में अविश्वास प्रस्ताव के कारण अपना पद छोड़ना पड़ा था। इमरान उन्हीं की राह पर हैं। आज तक पाकिस्तान में एक भी प्रधानमंत्री ऐसा नहीं हुआ है, जो पूरे पांच साल तक अपनी कुर्सी में टिका रहा हो। यह तथ्य ही बताता है कि पाकिस्तानी लोकतंत्र कितना दुर्दशाग्रस्त है। उसके प्रधानमंत्री को कभी फौज उलटती रही, कभी राष्ट्रपति पलटते रहे और कभी उनकी हत्या हो गई।

अब जो सरकार बनेगी, उसके प्रधानमंत्री बनने की संभावना शाहबाज शरीफ की है। वे तीन बार पंजाब के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और आजकल सबसे बड़े विरोधी दल के नेता हैं। उनके बड़े भाई मियां नवाज शरीफ और फौज के रिश्ते कितने कटु हैं, सबको पता है। अब पता नहीं कि शाहबाज को फौज कब तक और कैसे बर्दाश्त करेगी? यह हो सकता है कि प्रधानमंत्री शाहबाज शीघ्र ही आम चुनाव की घोषणा कर दें। अर्थात पाकिस्तान हमेशा की तरह अस्थिरता के एक नए दौर में प्रवेश कर जाएगा।

# कौन कर रहा है डॉक्टरों को खुदखुशी के लिए बाध्य?

**आर.के. सिन्हा**

**कोरोना की दूसरी लहर को प्रलय जैसी स्थिति कहा जा सकता है। तब भी ये हमारे करीब खड़े थे। हमने इन्हें देखा-पहचाना था। ये अपना फर्ज निभा रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर के असर के कारण देशभर के अस्पताल एक अदद बेड से लेकर आक्सीजन, दवाओं वगैरह के लिए कराहने लगे थे। तब ये डॉक्टर ही हमारे लिये उम्मीद की किरण के रूप में खड़े हुए थे।। ये दिन-रात रोगियों को बेड दिलवा रहे थे। ये रोगियों के संबंधियों से फोन और व्हाट्स ऐप पर बातें कर रहे थे और करवा भी रहे थे । उन्हें उनके रोगी का ठीक होने का वादा-भरोसा दे रहे थे। उनका व्हाट्स ऐप स्टेटस चेक करिए। वे रात के दो बजे भी ऑनलाइन थे और सुबह पांच बजे भी। अब जब कोरोना के बाद जिंदगी फिर से पहले की तरह पटरी पर वापस लौटने लगी है तो क्या हम इन्हें खुदखुशी करने के लिए बाध्य करेंगे। यही तो दौसा की डॉ. अर्चना के साथ हुआ**

**राजस्थान** के दौसा जिले में एक महिला डॉक्टर का आत्महत्या करना चीख-चीख कर इस चिंता की पुष्टि कर रहा है कि अब वक्त आ गया है कि देश के डॉक्टरों को भी तो बचाया जाए। अगर यह नहीं किया गया तो डॉक्टर बनने से पहले नौजवान सौ-सौ बार सोचेंगे। जान लें कि दौसा में डॉ.अर्चना शर्मा और उनके पति डॉ. सुनीत उपाध्याय का उस इलाके का एक प्रतिष्ठित आनंद अस्पताल है। कुछ दिन पहले उनके पास लालूराम बैरवा नाम का एक शख्स अपनी पत्नी आशा देवी (22) को डिलीवरी के लिए सुबह अस्पताल आया। डिलीवरी के दौरान प्रसूता (आशा देवी) की मौत हो गई। नवजात सकुशल है। यह एक सामान्य सी प्रसव पीड़ा के दौरान मृत्यु की घटना है। अब शुरू हुआ है हंगामा। आशा देवी की मौत के बाद उसके घरवालों ने मुआवजे की मांग को लेकर अस्पताल के बाहर जमकर बवाल काटा। गुस्साए घरवालों ने स्थानीय छुटभैये नेताओं का दबाव बनाकर डॉ.अर्चना शर्मा के खिलाफ हत्या का मामला पुलिस में दर्ज करवा दिया। इससे वह महिला चिकित्सा बुरी तरह से घबरा गई और उन्होंने खुदकुशी ही कर ली। महिला डॉक्टर की आत्महत्या के मामले को लेकर राजस्थान के सभी डॉक्टरों ने हड़ताल भी की। दौसा से मिल रही खबरों के अनुसार असामाजिक एवं अराजक तत्वों के अनैतिक दबाव के कारण ही डॉक्टर ने आत्महत्या की है। यह बेहद दुखद मामला है। डॉ.अर्चना शर्मा का इन हालातों में संसार से चले जाना दिल दहलाने वाला है। वह बेहद मेधावी मेडिकल छात्रा रही थीं। जब बहुत से डॉक्टर सिर्फ बड़े शहरों तथा महानगरों में ही नौकरी या प्रैक्टिस करना चाहते हैं, तो वह जयपुर से 70 किलोमीटर दूर एक छोटे से कस्बे में अपने पति के साथ प्रैक्टिस कर रही थीं। दौसा के लोगों के लिए हर वक्त उपलब्ध रहती थीं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल ने मुझे बताया कि डा.अर्चना शर्मा गांधीनगर मेडिकल कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर भी रही थीं। वह मानती थीं कि हरेक डॉक्टर की जिम्मेदारी है कि वह देश के ग्रामीण इलाकों में रहने वालों की भी सेवा करे। डॉ.अर्चना शर्मा से जुड़े केस से हटकर भी बात करें तो अचानक से अब रोगियों के संबंधी और दोस्त बात-बात पर डॉक्टरों की ठुकाई करने लगते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि डॉक्टर सिर्फ रोगी को ठीक करने का प्रयास भर कर सकता है। वह कोई भगवान नहीं है। पर डॉक्टरों और आमजन के बीच में अविश्वास की खाई गहरी ही होती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों से इस तरह की खबरें मीडिया की सुर्खियां बन रही हैं जब रोगी के परिचितों ने डॉक्टरों के हाथ-पैर तोड़ दिए।

**कोरोना काल में यहां के डॉक्टरों ने अनगिनत लोगों की जानें बचाई थीं। डॉक्टरों के साथ बदतमीजी या मारपीट करना किसी भी सभ्य समाज में सही नहीं माना जा सकता। इसकी घोर निंदा सर्वत्र होनी ही चाहिए**

आप अगर कभी राजधानी के डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जाएं तो वहां पर आपको बलिष्ठ भुजाओं वाले बहुत से बाउंसर अलग-अलग जगहों पर खड़े हुए मिल जाते हैं। इनकी यहां पर तैनाती की वजह पूछने पर पता चला कि यहां पर डॉक्टरों पर लगातार होने वाले हमलों को देखते हुए अस्पताल मैनेजमेंट की तरफ से उन्हें तैनात किया गया है। ये दिन-रात यहां रहते हैं। याद रख लें कि अगर डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी डॉक्टर सुरक्षित नहीं हैं तो फिर बाकी जगहों की बात करना बेकार है। डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सरकारी बाबुओं से लेकर देश के सांसदों और मंत्रियों तक का इलाज होता है।

कोरोना काल में यहां के डॉक्टरों ने अनगिनत लोगों की जानें बचाई थीं। डॉक्टरों के साथ बदतमीजी या मारपीट करना किसी भी सभ्य समाज में सही नहीं माना जा सकता । इसकी घोर निंदा सर्वत्र होनी ही चाहिए और जो इस तरह की अक्षम्य हरकतें करते हैं उन्हें कठोर दंड भी मिलना चाहिए। अब भी देशभर में लाखों की संख्या में निष्ठावान डॉक्टर हैं। वे रोगी का पूरे मन से इलाज करके उन्हें स्वस्थ करते हैं। यह सोच सिरे से गलत है कि सभी डॉक्टर लूटते ही हैं। इस तरह की मानसिकता के कारण ही डॉक्टर और रोगी अब आमने-सामने हैं। इनके संबंधों में पहले वाली प्रेम और सम्मान नजर नहीं आता। आपको पटना से लेकर लखनऊ और दिल्ली से मुंबई समेत देश के हरेक शहर और गांव में सुबह से देररात तक कड़ी मेहनत करते डॉक्टर मिल जाएंगे। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं है जब देशभर के डॉक्टरों, नर्सों और अन्य मेडिकल स्टाफ ने कोरोना वायरस को मात देने के लिए अपने प्राणों को भी दांव पर लगा दिया था। जरा सोचिए कि उस भयावह दौर में अगर ऐसे सेवा भावी डॉक्टर और नर्स भी हमारे साथ न होते तो क्या होता। वैसे डॉक्टरों पर कातिलाना हमलों का इतिहास पुराना है। राजधानी दिल्ली के करोल बाग में डॉ.एन.सी.जोशी का 1947 में कत्ल कर दिया गया था। इस वक्त वे दिल्ली में भड़के दंगों के घायलों का इलाज कर रहे थे। राजधानी में उनके नाम पर एक अस्पताल भी है। यह याद रखा जाएगा कि ये डॉक्टर कोरोना काल में देश की जनता के लिये फरिश्ते बनकर आए थे। कोरोना की दूसरी लहर को प्रलय जैसी स्थिति कहा जा सकता है। तब भी ये हमारे करीब खड़े थे। हमने इन्हें देखा-पहचाना था। ये अपना फर्ज निभा रहे हैं। कोरोना की दूसरी लहर के असर के कारण देशभर के अस्पताल एक अदद बेड से लेकर आक्सीजन, दवाओं वगैरह के लिए कराहने लगे थे। तब ये डॉक्टर ही हमारे लिये उम्मीद की किरण के रूप में खड़े हुए थे।। ये दिन-रात रोगियों को बेड दिलवा रहे थे। ये रोगियों के संबंधियों से फोन और व्हाट्स ऐप पर बातें कर रहे थे और करवा भी रहे थे । उन्हें उनके रोगी का ठीक होने का वादा-भरोसा दे रहे थे। उनका व्हाट्स ऐप स्टेटस चेक करिए। वे रात के दो बजे भी ऑनलाइन थे और सुबह पांच बजे भी। अब जब कोरोना के बाद जिंदगी फिर से पहले की तरह पटरी पर वापस लौटने लगी है तो क्या हम इन्हें खुदखुशी करने के लिए बाध्य करेंगे। यही तो दौसा की डॉ. अर्चना के साथ हुआ। वह भी चाहतीं तो अपने पति के साथ किसी बड़े शहर में चैन से जिंदगी गुजार सकती थीं। यह न भूला जाए कि हरेक समाज और पेशे में कुछ धूर्त तो होते ही हैं। पर वे बहुमत में कभी नहीं होते। बहुमत सज्जनों और डॉ. अर्चना शर्मा जैसों का ही होता है। इनके प्रति समाज को कृतज्ञता का भाव तो रखना होगा ही। अब देखना यह है कि अशोक गहलौत की कांग्रेसी सरकार डॉ. अर्चना शर्मा को खुदकुशी करने के लिये उकसाने वालों पर क्या कारवाई करती है।

**(लेखक-वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)**

# सदियों से मनाया जाने वाला चेट्रीचंड्र पर्व

**किशन भावनानी**

**भारतवर्ष** सदियों से आध्यात्मिकता में विश्वास रखने वाला विश्व का ऐसा पहला देश है जहां हजारों वर्ष पूर्व से ही अखंड भारत में आध्यात्मिकता भारत की संस्कृति की नींव रही है, क्योंकि अगर हम इतिहास को खंगाले तो हमें पौराणिक कथाओं से भरपूर मिलेंगे जो आज भी भारतीय पुरातत्व विभाग की खुदाई या अन्वेशण में अनेक आध्यात्मिकता की वस्तुएं पाई जाती है जो हजारों वर्ष पूर्व की अनुमानित होती है। भारत भर में विभिन्न धर्म,समुदाय और जातियों का समावेश है इसलिए यहां अनेकता में एकता के दर्शन होते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि यहां सभी धर्मों के त्योहारों को प्रमुखता से मनाया जाता है, चाहे दिवाली हो, ईद या फिर क्रिसमस या फिर भगवान झूलेलाल जयंती। साथियों बात अगर हम इसी आध्यात्मिकता और विश्वसनीयता की करें तो 2 अप्रैल 2022 को वैश्विक स्तरपर जिस भी देश में सिंधी समाज के भाई बहन होंगे वहां झूलेलाल जयंती चेट्रीचंड्र महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, जो सदियों से मनाया जाने वाला सद्भाव, भाईचारे, एकता, अखंडता, अन्याय पर न्याय की विजय और धार्मिक आस्था का प्रतीक माना जाता है। झूलेलाल जयंती पर्व मनाने का कारक, सभी पर्व त्योहारों की तरह इस पर्व को मनाने के पीछे भी पौराणिक कथाएं हैं। साथियों बात अगर हम भगवान झूलेलाल की करें तो इतिहास और मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार धर्म की रक्षा के लिए झूलेलाल साईं ने अवतार लिया था इस संबंध में दो कथाएं प्रचलित हैं पहली, संवत 1007 में सिंध प्रदेश के ठट्टा नगर में मिरखशाह नामक एक सम्राट राज्य करता था। उसने जुल्म करके समुदाय के लोगों को विशेष धर्म स्वीकार करवाया। उसके जुल्मों से तंग आकर एक दिन सभी पुरुष, महिलाएं, बच्चे व बूढ़े सिंधु नदी के पास एकत्रित हुए और उन्होंने वहां भगवान का स्मरण किया। कड़ी तपस्या करने के बाद सभी भक्तजनों को मछली पर सवार एक अद्भुत आकृति दिखाई दी। पल भर के बाद ही वह आकृति भक्तजनों की आंखों से ओझल हो गई। तभी आकाशवाणी हुई कि धर्म की रक्षा के लिए मैं आज से ठीक सात दिन बाद श्रीरतनराय के घर में माता देवकी की कोख से जन्म लूंगा। निश्चित समय पर रतनरायजी के घर एक सुंदर बालक का जन्म हुआ,जिसका नाम उदयचंद रखा गया। मिरखशाह के कानों में जब उस बालक के जन्म की खबर पहुंची, तो वह अत्यंत विचलित हो गया। उसने इस बालक के मारने की सोची परंतु उसकी चाल सफल नहीं हो पाई। तेजस्वी मुस्कान वाले बालक को देखकर उसके मंत्री दंग रह गए। तभी अचानक वह बालक वीर योद्धा के रूप में नीले घोड़े पर सवार होकर सामने खड़ा हो गया। अगले ही पल वह बालक विशाल मछली पर सवार दिखाई दिया। मंत्री ने घबराकर उनसे माफी मांगी। बालक ने उस समय मंत्री को कहा कि वह अपने हाकिम को समझाए कि हिंदू-मुसलमान को एक ही समझे और अपनी प्रजा पर अत्याचार न करे, लेकिन मिरखशाह नहीं माना।तबभगवान झूलेलाल ने एक वीर सेना का गठन किया और मिरखशाह को हरा दिया। मिरखशाह झूलेलाल की शरण में आने के कारण बच गया। भगवान झूलेलाल संवत 1020 भाद्रपद की शुक्ल चतुर्दशी के दिन अन्तर्धान हो गए। दूसरी कथा, चूंकि सिंधी समुदाय व्यापारिक वर्ग रहा है सो ये व्यापार के लिए जब जलमार्ग से गुजरते थे तो कई विपदाओं का सामना करना पड़ता था। जैसे समुद्री तूफान, जीव-जंतु, चट्टानें व समुद्री दस्यु गिरोह जो लूटपाट मचा कर व्यापारियों का सारा माल लूट लेते थे। इसलिए इनके यात्रा के लिए जाते समय ही महिलाएं वरुण देवता की स्तुति करती थीं व तरह-तरह की मन्नते मांगती थीं, जो पूर्ण हुई। चूंकि भगवान झूलेलाल जल के देवता हैं अतः यह सिंधी समुदाय के आराध्य देव माने जाते हैं। जब पुरुष वर्ग सकुशल घर लौट आते थे तब चेटीचंड को उत्सव के रूप में मनाया जाता था। मन्नतें पूर्ण हुई थी और भंडारा किया जाता था। साथियों बात अगर हम साईं झूलेलाल की करें तो, उपासक भगवान झूलेलाल को उदेरोलाल, घोड़ेवारो, जिन्दपीर, लालसाँई, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि नामों से भी पूजते हैं। भगवान झूलेलालजी को जल और ज्योति का अवतार माना गया है। इसलिए लकड़ी का मंदिर बनाकर उसमें एक लोटे से जल और ज्योति प्रज्वलित की जाती है और इस मंदिर को श्रद्धालु चेट्रीचंड्र के दिन अपने सिर पर उठाते हैं।

## अभिव्यक्ति

# ज्योति तरंगें उठने का पर्व-"नवसंवत्सर"

**सुनील कुमार महला**

**गुड़ी** पड़वा यानी कि हिंदू नववर्ष। चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा या एकम तिथि को पड़वा कहते हैं। अंग्रेजी कैलेंडर यानी ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार इस बार गुड़ी पड़वा का पर्व 2 अप्रैल 2022 को है। इसी तिथि से विक्रम संवत 2079 प्रारंभ होगा। जानकारी देना चाहूंगा कि हिंदू नववर्ष जनवरी माह से प्रारंभ न होकर चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से होता है। इसे हिंदू नव संवत्सर या नव संवत या विक्रम संवत भी कहते हैं। शक्ति की देवी माँ दुर्गा की आराधना का 'नवरात्र' भी आज ही के दिन से प्रारम्भ होता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान ब्रह्मा द्वारा सृष्टि की रचना हुई तथा युगों में प्रथम सत्ययुग या सतयुग का प्रारंभ हुआ। कहा भी गया है कि - चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मा ससर्ज प्रथमे अहनि। शुक्ल पक्षे समग्रेतु तदा सूर्योदये सति।। अर्थात ब्रह्मा पुराण के अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना चैत्र मास के प्रथम दिन प्रथम सूर्योदय होने पर की थी। इस तथ्य की पुष्टि सुप्रसिद्ध भास्कराचार्य रचित ग्रंथ सिद्धांत शिरोमणि से भी होती है, जिसके श्लोक में उल्लेख है कि लंका नगर में सूर्योदय के क्षण के साथ ही, चैत्र मास, शुक्ल पक्ष के प्रथम दिवस से मास, वर्ष तथा युग आरंभ हुए। अतः नव वर्ष का प्रारंभ इसी दिन से होता है, और इस समय से ही नए विक्रम संवत्सर का भी आरंभ होता है, जब सूर्य देवता भूमध्य रेखा को पार कर उत्तरायण होते हैं। इस समय से ऋतु परिवर्तन होनी शुरू हो जाती है और वातावरण समशीतोष्ण होने लगता है। ठंडक के कारण जो जड़-चेतन सभी सुप्तावस्था में पड़े होते हैं, वे सब जाग उठते हैं, गतिमान हो जाते हैं। पत्तियों, पुष्पों को नई ऊर्जा मिलती है। समस्त पेड़-पौधे, पल्लव रंग-बिरंगे फूलों के साथ खिल उठते हैं। ऋतुओं के एक पूरे चक्र को संवत्सर कहा जाता हैं। इस तिथि को यानी चैत्र शुक्ल एकम को कुछ ऐसे अन्य कार्य भी सम्पन्न हुए हैं जिनसे यह दिवस और भी विशेष हो गया है जैसे- श्री राम एवं युधिष्ठिर का राज्याभिषेक, आर्यसमाज का स्थापना दिवस, संत झूलेलाल की जयंती और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी का जन्मदिन आदि। इन सभी विशेष कारणों से भी चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा का दिन विशेष बन जाता है। यह महज एक संयोग की बात है कि ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार इस वर्ष जब नववर्ष की शुरूआत एक जनवरी को हुई उस दिन शनिवार का दिन था और अब जब हिंदू नववर्ष की शुरूआत दो अप्रैल को होने जा रही है, तब भी शनिवार का ही दिन है। दो अप्रैल को ही नव संवत्सर 2079 का शुभारंभ होगा।संवत्सर की शुरूआत राजा विक्रमादित्य के द्वारा की गई थी, इसलिए इसे विक्रम संवत कहा जाता है। जानकारी देता चलूँ कि सम्राट विक्रमादित्य ने अपने अभूतपूर्व पराक्रम द्वारा शकों को पराजित कर, उन्हें भगाया, और इस दिन उनका गौरवशाली राज्याभिषेक किया गया था। इतिहास के मुताबिक, अवन्ती (वर्तमान उज्जैन) के राजा विक्रमादित्य ने इसी तिथि से कालगणना के लिए विक्रम संवत का प्रारंभ किया था, जो आज भी हिंदू कालगणना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। कहा जाता है कि विक्रमसंवत, विक्रमादित्य प्रथम के नाम पर प्रारंभ होता है जिसके राज्य में न तो कोई चोर था और न ही कोई अपराधी या भिखारी था। ज्योतिष की मानें तो प्रत्येक संवत का एक विशेष नाम होता है। विभिन्न ग्रह इस संवत के राजा, मंत्री और स्वामी होते हैं। इन ग्रहों का असर वर्ष भर दिखाई देता है। सिर्फ यही नहीं समाज को श्रेष्ठ (आर्य) मार्ग पर ले जाने के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती ने भी इसी दिन को आर्य समाज स्थापना दिवस के रूप में चुना था। विक्रम संवत अंग्रेजी कैलेंडर से 57 वर्ष आगे है। वास्तव में, आज भी भले ही हम कितनी ही आधुनिकता व तकनीक के युग में जी रहे हैं लेकिन विक्रम संवंत ही सबसे अधिक प्रासंगिक, सार्वभौमिक और वैज्ञानिक कैलेंडर है। यह कैलेंडर सौर्य और चंद्रमा की गणना पर आधारित है। हिंदू पंचांग की गणना के आधार पर भारतवर्ष में यह हजारों साल पहले बता दिया गया था कि अमुक दिन, अमुक समय पर सूर्यग्रहण होगा। युगों बाद भी यह गणना सही और सटीक साबित हो रही है।

# सार्वजनिक धन के उपयोग के लिए कई सुधारों की जरूरत

**सत्यवान 'सौरभ'**

**उचित** रूप से प्रबंधित लेखा प्रणाली धन पर उचित नियंत्रण सुनिश्चित करने में मदद करती है। लेखांकन नीतियों और प्रक्रियाओं को वित्तीय नियंत्रण को नियंत्रित करने वाली कानूनी/प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले खातों को संकलित करने के लिए डिजाइन किया गया है। खाते गतिविधियों के वित्तीय प्रबंधन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। खातों के आधार पर, सरकार अपनी वित्तीय और राजकोषीय नीतियों के आकार को नियंत्रित करती है। वर्तमान समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए सार्वजनिक धन का कुशल उपयोग इस तरह से आवश्यक है कि यह भविष्य की पीढ़ियों के समाजों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता न करे। भारत में सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और संस्थागत उपाय उचित रूप से प्रबंधित लेखा प्रणाली धन पर उचित नियंत्रण सुनिश्चित करने में मदद करते है। खाते गतिविधियों के वित्तीय प्रबंधन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। खातों के आधार पर, सरकार अपनी वित्तीय और राजकोषीय नीतियों के आकार को नियंत्रित करती है। खातों के आधार पर, सरकार अपनी वित्तीय और राजकोषीय नीतियों के आकार को नियंत्रित करती है। सार्वजनिक अधिसूचना, ट्रेजरी बिल (आंतरिक ऋण) जारी करके सरकार द्वारा उठाए गए सभी ऋण और विदेशी सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (बाहरी ऋण) से प्राप्त ऋण भारत की समेकित निधि में जमा किए जाते हैं। सरकार का समस्त व्यय भारत की संचित निधि से किया जाता है और संसद की अनुमति के बिना निधि से कोई राशि नहीं निकाली जा सकती है। भारत की आकस्मिकता निधि भारत के संविधान के अनुच्छेद 267 के तहत भारत सरकार द्वारा निर्धारित आकस्मिकता निधि से जुड़े लेनदेन को रिकॉर्ड करती है। यह फंड कमोबेश भारत सरकार के अग्रदाय खाते की तरह काम करता है और राष्ट्रपति की ओर से भारत सरकार के सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। संविधान के अनुच्छेद 266(2) के तहत गठित लोक लेखा में, लेन-देन भारत की संचित निधि में शामिल ऋण के अलावा अन्य ऋण से संबंधित है। लोक लेखा के अंतर्गत प्राप्तियां सरकार की सामान्य प्राप्तियां नहीं होती हैं। इसलिए लोक खाते से भुगतान के लिए संसदीय प्राधिकरण की आवश्यकता नहीं है। धन को मनमानी शक्ति की पहुँच से बचाता है और इस अर्थ में, राज्य का एक महत्वपूर्ण और सबसे उपयोगी गणमान्य व्यक्ति है। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) भारत में पेंशन उद्योग का एकमात्र नियामक है। इसका प्रमुख उद्देश्य पेंशन फंडों को विनियमित और विकसित करके वृद्धों को आय सुरक्षा प्रदान करना और पेंशन योजनाओं के ग्राहकों के हितों की रक्षा करना है। प्रणालीगत कमजोरी, कार्यक्रम प्रबंधन, वित्त/लेखा और फ्रंटलाइन सेवा प्रावधान जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित, नियमित कर्मचारियों की कमी ने योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए राज्यों में सरकारी तंत्र की क्षमताओं को कमजोर किया है। सरकारी कार्यालयों में पर्याप्त स्टाफ की कमी, जमीनी स्तर पर अनुचित तकनीकी पैठ या वित्तीय शक्ति का अप्रभावी विकेंद्रीकरण, अनधिकृत स्रोतों के लिए धन के विचलन के कारण भ्रष्टाचार और उनकी प्रभावी निगरानी और उपयोग को रोकने के लिए खराब जवाबदेही तंत्र, शक्ति का अप्रभावी विकेंद्रीकरण, देश में लोकलुभावन राजनीति, क्रोनी कैपिटलिज्म, पक्षपात और पद का दुरूपयोग, नियोजन में सामंजस्य का अभाव और मार्च के महीने के दौरान व्यय की भीड़, जिसे लोकप्रिय रूप से 'मार्च रश' के रूप में जाना जाता है, जो अप्रयुक्त और अनुपयुक्त निधियों के व्यपगत होने से बचाने के लिए अनियोजित और अनुचित निधि व्यय की ओर जाता है।

# मूरख जो खोजन मैं चला...

**डॉ. सुरेश कुमार**

**एक** दिन मुझे लगा कि मेरे चारों ओर मूर्खों की संख्या अधिक हो गयी है। मुझे इन मूर्खों का पता लगाने की इच्छा हुई। इसके लिए मैंने अपने एक घनिष्ठ मित्र की सहायता ली। चूँकि मेरा मित्र मुझे और मेरे ईर्द-गिर्द रहने वालों को अच्छी तरह से जानता था, सो यह जिम्मेदारी उसे सौंप दी। मैंने उससे कहा कि तुम जल्दी से मूर्खों की सूची बनाओ जिससे मैं वैसे लोगों से दूर रह सकूँ। उनके कारण आए दिन मेरा समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है। काफी हाथ-पैर मारने के बाद मित्र ने एक सूची बनायी। सूची देखकर मेरे तोते उड़ गए। मेरे चारों खाने चित्त थे। उस सूची में एक मात्र मेरा नाम लिखा था। यह देखकर मैं अपना आपा खो बैठा। मैंने मित्र से पूछा कि तुम्हें कुछ अक्ल-वक्ल भी है या नहीं? तुम्हें मेरा नाम लिखते हुए शर्म नहीं आयी? तुमने ऐसे-कैसे मेरा नाम लिख दिया? उसने मेरा गुस्सा शांत करने की लाख कोशिश की। मेरा गुस्सा सातवें आसमान पर था। आव देखा न ताव। बाल नोंचते हुए कहा कि मैं मित्रता बहुत सोच-समझकर करता हूँ। हाँ यह अलग बात है कि इनमें एकाध लोग मूर्ख हो सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि तुम मेरा ही नाम लिख दो। मैं तुमसे शर्त लगाता हूँ कि यदि तुम मुझे मूर्ख साबित कर दोगे तो मैं तुम्हारा हर कहा मानूँगा। इस पर मित्र ने कहा कि सबसे पहले तो आपके दिमाग में यह बात आयी ही क्यों कि कौन बुद्धिमान है और कौन मूर्ख? बुद्धिमान लोगों पर संदेह करना या उनकी बुद्धिमता पर प्रश्नचिह्न लगाना मूर्खों का लक्षण नहीं तो और क्या है? इसीलिए मेरी नजर में आपसे बढ़कर कोई दूसरा मूर्ख हो ही नहीं सकता। मैं अपना आपा खो चुका था। मित्र से कहा कि तुम्हें मैंने मेरे मूर्ख मित्रों की सूची बनाने की जिम्मेदारी क्या सौंप दी, तुम स्वयं को बड़ा बुद्धिमान समझने लगे। तुमने मेरे सभी मित्रों को मूर्ख बताने की बहुत बड़ी भूल की है। मैं तुम्हें यह साबित कर दिखाऊँगा कि मूर्ख मैं नहीं तुम हो।

## मोहम्मद शमी के लिए पोर्नस्टार केंड्रा लस्ट का ट्विट- सच में शानदार परफार्मेंस

**नई दिल्ली।** आईपीएल की चर्चाएं दूर तलक हो रही है। इसी कड़ी में पोर्नस्टार केंड्रा लस्ट भी भारतीय तेज गेंदबाज की तारीफें करती नजर आ रही हैं। दरअसल, आईपीएल 2022 में बीते दिनों गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच खेला गया था। इसमें गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शानदार गेंदबाजी कर सबको प्रभावित किया था। शमी से प्रभावित होने वाले फैंस में एक नाम केंड्रा लस्ट का भी जुड़ गया। लस्ट ने शमी के लिए ट्वीट कर उनकी तारीफ की। उन्होंने लिखा- मोहम्मद बिल्कुल शानदार प्रदर्शन।केंड्रा लस्ट ने जैसे ही ट्विट किया। सोशल मीडिया पर शमी और लस्ट की चर्चाएं चलनी लगीं। इसका क्रिकेट फैंस ने तरह-तरह के मीम्स बनाकर स्वागत किया। देखें कुछेक मीम्स।बता दें कि केंड्रा लस्ट अक्सर भारतीय सेलिब्रिटिज की फोटोज पर कमेंट्स करती रहती हैं। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे को भी अपने साथ वीडियो में अभिनय करने के लिए इन्वाइट किया था।

## मनिका बत्रा और अर्चना कामथ ने जीता कांस्य, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में मिली हार

**नई दिल्ली।** मनिका बत्रा और अर्चना कामथ की भारतीय जोड़ी ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर 2022 के महिला युगल स्पर्धा में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा है। बत्रा और कामथ की दूसरी वरीय जोड़ी

को सेमीफाइनल में चाइनीज ताइपे की जोड़ी के हाथों 8-11, 6-11, 7-11 से हार की सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी से फाइनल में पहुंचने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन ऐसा हो नहीं पाया. सेमीफाइनल में हालांकि दोनों ने अपनी प्रतिद्वंदी को कड़ी टक्कर दी लेकिन ली यू जून और चेंग इ चींग से पार नहीं पा सकीं। भारतीय जोड़ी ने हालांकि इससे पहले क्वॉर्टरफाइनल में हांगकांग की खिलाड़ियों को 3-1 से हराकर उलटफेर किया था। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज मनिका और अर्चना ने टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता को आसानी से हरा दिया था।

## दिवालिया हुए बोरिस बेकर, अदालत से बोले- मैं पैसों के लिए कर रहा संघर्ष

**लंदन।** अपने जमाने के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और दिवालिया घोषित होने के बाद अपनी संपत्ति को सौंपने में विफल रहने के आरोप में लंदन में मुकदमे का सामना कर रहे बोरिस बेकर ने अदालत को बताया कि किस तरह से वह 'महंगे तलाक' और अन्य कारणों से संन्यास लेने के बाद पैसों के लिए संघर्ष कर रहे थे। बेकर ने सोमवार को बताया कि गलत प्रचार के कारण उनकी ख्याति पर दुष्प्रभाव पड़ा जिससे वह अपने कर्ज का भुगतान करने के लिए पर्याप्त कमाई नहीं कर पाए।

54 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उनकी जीवनशैली आलीशान रही जिसमें विंबलडन में किराए का घर भी शामिल है जिसका मासिक किराया 22,000 पाऊंड (लगभग 22 लाख रुपए) था। उन्होंने कहा कि 2001 में पूर्व पत्नी बारबरा बेकर के साथ तलाक के बाद उन्हें अपने दो बेटों के पालन पोषण के लिए मोटी धनराशि का भुगतान करना पड़ा। बेकर ने इसके साथ ही बताया कि उन्हें अपनी बेटी अन्ना एर्मकोवा और उनकी मां के पालन पोषण के लिए भी अच्छी खासी धनराशि खर्च करनी पड़ी जिसमें लंदन में 25 लाख पौंड का अपार्टमेंट भी शामिल था।6 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन बेकर को जून 2017 में दिवालिया घोषित कर दिया गया था।

# मेदवेदव नंबर-1 बनने से एक कदम दूर

### ओसाका पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

**नई दिल्ली।** रूस के टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव फिर से विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनने से केवल एक जीत दूर हैं, जबकि नाओमी ओसाका को मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए केवल दो जीत की दरकार है। शीर्ष वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने अमेरिका के जेनसन बरुक्सबी को 7-5, 6-1 से हराकर मियामी ओपन में पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने मियामी में अभी तक अपने तीन मैचों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला आठवें वरीय और गत चैंपियन ह्यूबर्ट हरकाज से होगा। मेदवेदेव अगर यह मैच जीत जाते हैं तो वह नोवाक जोकोविच की जगह फिर से दुनिया के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे।

**अमेरिका की डेनियल को दी मात**

वहीं महिला वर्ग में गैर वरीयता प्राप्त ओसाका ने अमेरिका की डेनिले कॉलिन्स को आसानी से 6-2, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनका अगला मुकाबला

बेलिंडा बेनसिच से होगा, जिन्होंने डारिया सैविले को 6-1, 6-2 से पराजित किया।

## मैच गंवाने के बाद बोले श्रेयस अय्यर- हमारे बल्लेबाजों ने बीच में अच्छा खेल दिखाया

**मुंबई।** कोलकाता नाइट राइडर्स डीवाई पाटिल स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आगे खराब बल्लेबाजी के कारण हार गई। हार के बाद कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि मुझे वास्तव में यह खेल रोमांचक लगा। दूसरी पारी में अंदर जाने से पहले मैं लड़कों से बात कर गया था कि खेल मैदान पर हमें चरित्र और रवैये को परिभाषित करना है। जिस तरह से हमने यह खेल खेला और उसे आखिरी ओवर तक ले गए, उस पर वास्तव में मुझे गर्व है। उस समय यह वास्तव में कठिन था क्योंकि मैं अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को वहां पहुंचाना चाहता था और कुछ विकेट जल्दी हासिल करना चाहता था लेकिन यह वास्तव में अच्छा नहीं रहा।

श्रेयस ने इस दौरान अपने बल्लेबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि बीच में वास्तव में वह अच्छा खेले। उन्होंने टीम को कठिन दौर से जल्द बाहर निकाल लिया। विकेट दो गति वाला, परिवर्तनशील था और इस पर उछाल भी था। हम वास्तव में

अच्छी शुरुआत करना चाहते थे और हमने यही योजना बनाई। अगली बार जब हम आएंगे, तो हमें त्रुटियों को सुधारना होगा और यह देखना होगा कि हमें जितनी जल्दी हो सके गति मिल सके।

श्रेयस ने इस दौरान वानिंदु हसरंगा की तारीफ की। उन्होंने कहा कि हसरंगा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। मेरा विकेट लेने के बाद वह और अच्छा हो गए। मैं शुरू से ही स्पिन को अच्छी तरह पढ़ पाता था। हमने तय किया था कि आज हम उसे एक ऑफ स्पिनर के रूप में खेलेंगे लेकिन दुर्भाग्य से उसने वास्तव में अच्छी लाइन और लेंथ से गेंदबाजी की। वह काफी अनुभवी भी हैं और उसे इस विकेट पर कुछ मदद मिल रही थी, उसे बधाई।

## डेनमार्क ने सर्बिया को 3-0 से हराया : जिस मैदान में क्रिस्टियन एरिक्सन को पड़ा था दिल का दौरा, वापसी कर दागा गोल

**नई दिल्ली।** नौ महीने पहले यूरोपीय चैंपियनशिप का मैच खेलते हुए जिस पार्केन स्टेडियम में दिल का दौरा पड़ने से डेनमार्क के खिलाड़ी क्रिस्टियन एरिक्सन गिर पड़े थे, उसी मैदान में मंगलवार रात दर्शकों के अपार समर्थन के बीच एरिक्सन ने वापसी पर गोल दागा। 290 दिन बाद एरिक्सन के उस मैदान पर वापसी करते वक्त दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया। इस शानदार मैच में डेनमार्क ने सर्बिया पर 3-0 से जीत हासिल की। मैच में जीत के दौरान सबसे यादगार और भावुक पल तब आया, जब 58वें मिनट में एरिक्सन ने दाएं पैर से करारा शॉट लगाकर टीम के लिए गोल किया और वह अपने घुटनों के बल फिसलकर दर्शकों के साथ जश्न मनाने लगे।

पिछले साल जून में घटी घटना के बाद पार्केन स्टेडियम में एरिक्सन का यह पहला मैच था, जिसमें वह टीम की कप्तानी भी कर रहे थे। जब 80वें मिनट में उन्हें स्थानापन्न किया गया तब दर्शकों ने खड़े होकर ताली बजाते हुए स्वागत किया। इसके कुछ देर बाद उन्हें मैन ऑफ द मैच के लिए चुना गया।

डेनमार्क की ओर से जोकिम म्हले ने 15वें मिनट में गोल कर टीम के लिए पहला गोल किया। इसके बाद दूसरे हॉफ टाइम में 53वें मिनट में जेस्पर लिंडस्ट्रम ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके पांच मिनट बाद एरिक्सन ने गोलकर डेनमार्क की जीत पर मुहर लगा दी।

**इंग्लैंड ने आइवरी कोस्ट को 3-0 से पीटा**

वेम्बले स्टेडियम में इंग्लैंड ने आखिर में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे आइवरी कोस्ट को 3-0 से पराजित किया। इंग्लैंड की ओर से ओली वाटकिंस 30वें मिनट में, कप्तान रहीम स्टर्लिंग ने 45वें मिनट और दूसरे हॉफ के खत्म होने के बाद अतिरिक्त समय के दौरान टायरोन मिंग्स ने (90+3) मिनट में तीसरा गोलकर टीम की जीत पक्की की। वहीं एक अन्य मैच में नीदरलैंड और जर्मनी के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। जबकि फ्रांस ने दक्षिण अफ्रीका को 5-0 से और स्पेन ने आइसलैंड को भी 5-0 से हराकर करारी शिकस्त दी। बेल्जियम ने भी बुर्किना फासो को 3-0 से मात दी।

## प्रीतम सिवाच अकादमी ने जीता खेलो इंडिया महिला हॉकी लीग अंडर-21 खिताब

**लखनऊ।** सोनीपत की प्रीतम सिवाच अकादमी ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में हुए फाइनल में स्पोर्ट्स हॉस्टल भुवनेश्वर को 5-0 से हराकर खेलो इंडिया महिला हॉकी लीग अंडर-21 खिताब अपने नाम किया। मंजू चौरिसिया ने विजेता टीम के लिये दो गोल दागे जबकि अन्य तीन गोल तनु, रितिका और कप्तान भारती सरोहा ने दागे। मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, साइ 'बी' टीम और साई 'ए' टीम क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सोनीपत की अकादमी द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीतम रानी सिवाच की है। उनके पति कुलदीप सिवा अंडर-21 महिला टीम के कोच हैं जिसने ट्राफी के साथ 10 लाख रूपये की पुरस्कार राशि भी जीती।

## रोहन बोपन्ना युगल के क्वार्टरफाइनल में हारे, सानिया मिर्जा भी हारीं, टूर्नामेंट में भारत की चुनौती समाप्त

**नई दिल्ली।** भारत के रोहन बोपन्ना और सानिया मिर्जा अपने-अपने युगल मैचों के क्वार्टर फाइनल में हारकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पिछले तीन साल से (2019 से) अधिकतर टूर्नामेंट में जोड़ी बनाकर खेल रहे बोपन्ना और कनाडा के डेनिस शापोवलोव की जोड़ी अंतिम आठ के मैच में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूप्सकी की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी से 2-6, 1-6 से हार गई।

बोपन्ना और शापोवलोव की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इससे पहले पिछले दौर में निकोला मेक्टिच और मेट पाविच की शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रोएशियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर उलटफेर किया था।

**एक घंटे 23 मिनट तक पेश की चुनौती**

उधर, सानिया और बेल्जियम की उनकी जोड़ीदार क्रिस्टेन फ्लिपकेन्स ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे 23 मिनट तक चले मैच में रूस की एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा और चीन की चाओसुआन यांग से 3-6 6-7 (3) से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से इस एटीपी-डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

## नाकामुरा और रिचर्ड रापोर्ट नें बनाई फीडे कैंडिडेट्स शतरंज में जगह

**बर्लिन ,जर्मनी।** यूएसए के हिकारू नाकामुरा और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट आधिकारिक तौर पर अब फीडे कैंडिडेट्स 2022 का हिस्सा होंगे और वह अब पहले से चयनित छह खिलाड़ियों के साथ विश्व चैंपियनशिप में पहुँचने की कोशिश करेंगे । दरअसल शतरंज में विश्व चैम्पियन को चुनौती फीडे कैंडीडेट का विजेता देता है और अलग अलग चयन के मापदंडो से अब तक विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोमिन्सी , विश्व कप के प्रथम दो - पोलैंड के यान डूड़ा पिछले विश्व कप विजेता अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव और रूस के सेरगी कार्याकिन ,फीडे ग्रांड स्विस से फ्रांस से अलीरेजा फिरौजा और यूएसए के फबियानों करूआना पहले ही इसमें स्थान बना चुके थे । ऐसे मे अंतिम दो स्थान का चयन फीडे ग्रांप्री के तीन टूर्नामेंट

के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से होना था । ऐसे मे हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट ने 20 अंक अंक बनाकर सबसे आगे थे ऐसे में जैसे ही बर्लिन ग्रांप्री के सेमी फाइनल मे नाकामुरा पहुंचे यह तय हो गया की अब वह भी कम से कम 20 अंक हासिल कर लेंगे साथ ही यह भी तय हो गया की अब कोई अन्य खिलाड़ी इतने अंक हासिल नहीं कर पाएगा। विश्व शतरंज द्वारा आयोजित ग्रां प्री के पूल चरण के अंतिम और निर्णायक दौर में, हिकारू नाकामुरा ने एंड्री एसिपेंको को हराया और पूल ए के विजेता बने। फीडे कैंडिडेट्स का आयोजन इस वर्ष 16 जून से 5 जुलाई के दौरान स्पेन के मेड्रिड में किया जाएगा जिसमें जीतने वाला खिलाड़ी विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को चुनौती देगा ।

## दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी के मुरीद हुए आरसीबी के नए कप्तान डुप्लेसिस

**मुंबई।** आईपीएल 2022 में दिनेश कार्तिक बिल्कुल नई भूमिका में हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की तरफ से इस बार फिनिशर के रोल में बल्लेबाजी कर रहे हैं। 36 वर्षीय कार्तिक ने सीजन में अब तक खेले दो मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है। बुधवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में भी कार्तिक ने कम स्कोर वाली करीबी मुकाबले में सात गेंदों में नाबाद 14 रन बनाए। उन्होंने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी को आखिरी ओवरों में अपनी पारी से जीत दिलाई। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने कार्तिक की तारीफ करते हुए उनकी तुलना सीएसके के अपने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से की।

मैच के बाद डुप्लेसिस ने साफ कहा कि आखिरी ओवरों में डीके का अनुभव टीम के काम आया। उन्होंने कहा, 'यह अच्छी जीत थी। छोटे स्कोर का पीछा करते समय सकारात्मक सोच के साथ उतरना चाहिए और इतना लंबा मैच नहीं जाना चाहिए था लेकिन उनके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

आरसीबी के कप्तान ने कहा,इस विकेट पर काफी सीम और उछाल थी। दो तीन दिन पहले यहां 200 बनाम 200 था, लेकिन आज 130 बनाम 130। हमें बेहतर ढंग से जीतना चाहिए था लेकिन जीत तो फिर जीत है। सीएसके से आरसीबी में आए डुप्लेसिस ने कहा, हम और मजबूत होना चाहेंगे। रन हमारे लिए कभी समस्या नहीं थे लेकिन हमें अनुभव की दरकार थी। हमें चाहिए था कि हम विकेट बचा कर रखें।'चेन्नई सुपर किंग्स में लंबे समय तक धोनी की कप्तानी में खेलने वाले डुप्लेसिस ने कहा, आखिर में डीके (कार्तिक) का अनुभव काम आया।

वह आखिरी के पांच ओवरों मे उतने ही कूल हैं, जितने की एमएस धोनी। रन बनाना आसान नहीं था लेकिन कार्तिक ने धैर्य के साथ खेला और जीत दिलाई। मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइटराइडर्स ने 20 ओवर में 128 रन बनाए। जवाब में बैंगलोर की टीम को भी रन के लिए संघर्ष करना पड़ा। आरसीबी ने 19.2 ओवर में सात विकेट खोकर लक्ष्य को हासिल किया और सीजन की पहली जीत हासिल की।

## कांटे की टक्कर में बेंगलुरु ने मारी बाजी, कोलकाता को 3 विकेट से हराया

**मुंबई।** मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए लो स्कोरिंग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 3 विकेट से हरा दिया है। हालांकि यह मैच कांटे की टक्कर वाला रहा। श्रीलंका के लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा के 4 विकेट की मदद से बेंगलुरु ने कोलकाता को 128 रनों के स्कोर पर समेट दिया था। 129 रनों के लक्ष्य को आरसीबी ने 7 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। एक वक्त आरसीबी की भी हालत खराब दिख रही थी। हालांकि बाद में हुई पार्टनरशिप की मदद से इस मैच को जीतने में वह कामयाब रही। 17 रन के स्कोर पर आरसीबी के 3 विकेट गिर चुके थे। फाफ डू प्लेसिस 5, अनुज रावत 0 और विराट कोहली ने 12 रन बनाए। विकेटों के पतझड़ को डेविड विले और शरफेन रदरफोर्ड ने रोका। डेविड विले 18 रन बनाकर आउट हुए जबकि शरफेन रदरफोर्ड ने शहबाज अहमद के साथ एक अच्छी पार्टनरशिप की जिसकी बदौलत आरसीबी मैच जीतने में कामयाब हुई। शहबाज अहमद 27 रन बनाकर आउट हुए।आखिरी के

ओवरों में टीम सऊदी ने 2 विकेट चटका कर मैच का रुख बदल दिया था। हालांकि आखिरी के ओवरों में हर्षल पटेल और दिनेश कार्तिक ने मैच को बेंगलुरु के झोली में डाल दिया। टिम साउदी ने तीन विकेट चटकाए। कोलकाता की ओर से गेंदबाजी में आज भी उमेश यादव काफी आक्रमक दिख रहे थे। उमेश यादव ने अनुज रावत और विराट कोहली के कीमती विकेट हासिल किए। उमेश यादव ने 4 ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाए। वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन के खाते में भी एक-एक विकेट गया। कोलकाता की ओर से वरुण चक्रवर्ती और आंद्रे रसैल काफी महंगे साबित हुए। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता की पूरी टीम 18.5 ओवर में 128 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। हसरंगा ने 10 करोड़ 75 लाख रूपये की अपनी कीमत को सही साबित करते हुए चार ओवर में 20 रन देकर चार विकेट लिये। उनके अलावा आकाश दीप ने तीन, हर्षल पटेल ने दो और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट लिया। दूसरी ओर केकेआर के बल्लेबाजों ने गैर जरूरी शॉट्स खेलने के चक्कर में विकेट गंवाये। दो बार की पूर्व चैम्पियन टीम ने आखिरी छह विकेट 57 रन पर गंवा दिये।

## टेस्ट रैंकिंग में जडेजा फिर नंबर वन ऑलराउंडर, विराट टॉप-10 से बाहर होने की कगार पर

**मुंबई।** आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली दसवें स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं रवींद्र जडेजा फिर से दुनिया के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। रविचंद्रन अश्विन जडेजा के बाद दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को आईसीसी रैंकिंग में भी फायदा हुआ है। मार्नस लाबुशेन पहले स्थान पर बने हुए हैं, वहीं स्टीव स्मिथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वनडे रैंकिंग में विराट कोहली दूसरे स्थान पर मौजूद हैं।

सबसे ज्यादा फायदा उस्मान ख्वाजा को हुआ है, जिन्होंने 2022 में 100 से ज्यादा के औसत से रन बनाए हैं। वो अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें छह पायदान का फायदा हुआ है और वो रोहित-विराट को पीछे छोड़ चुके हैं।

**टॉप 10 में ऑस्ट्रेलिया के चार बल्लेबाज शामिल**

टेस्ट में बल्लेबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के चार बल्लेबाज टॉप 10 में शामिल हैं। मार्नस लाबुशेन पहले और स्टीव स्मिथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं उस्मान ख्वाजा सातवें और ट्रेविस हेड नौवें पायदान पर हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे और इंग्लैंड के जो रूट चौथे पायदान पर हैं। बाबर आजम पांचवें और दिमुथ करुणारत्ने छठें स्थान पर हैं। भारत के विराट कोहली शुरुआती 10 बल्लेबाजों से बाहर होने की कगार पर हैं। वो दसवें पायदान पर आ चुके हैं। वहीं रोहित शर्मा आठवें स्थान पर हैं।

**गेंदबाजों में अश्विन दूसरे नंबर पर**

गेंदबाजों की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस पहले पायदान पर बने हुए हैं। वहीं अश्विन दूसरे और रबाड़ा तीसरे स्थान पर हैं। जसप्रीत बुमराह भी चौथे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी के एक स्थान का फायदा हुआ है और वो पांचवें पायदान पर आ चुके हैं। वहीं काइल जेमीसन एक स्थान के नुकसान के साथ छठें पायदान पर आ चुके हैं। टीम साउदी सातवें, नील वैगनर आठवें जेम्स एंडरसन नौवें और जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।

**वनडे रैंकिंग में विराट-रोहित टॉप पांच में-** वनडे में बल्लेबाजों की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं। बाबर आजम पहले विराट कोहली दूसरे और रॉस टेलर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। रोहित शर्मा को एक स्थान का फायदा हुआ है और वो चौथे नबंर पर आ चुके हैं। क्विंटन डिकॉक एक स्थान के नुकसान के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। जॉनी बेयरस्टो छठें एरोन फिंच सातवें डुसेन आठवें वार्नर नौवें और इमाम उल हक दसवें पायदान पर हैं।

**वनडे में ट्रेंट बोल्ट नंबर बन गेंदबाज**

वनडे में गेंदबाजों की रैंकिंग में शुरुआती सात स्थानों पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि बांग्लादेश के शाकिब अल हसन को चार स्थान का फायदा हुआ है और वो आठवें स्थान पर आ चुके हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान भी एक स्थान ऊपर उठकर संयुक्त रूप से नौवें नंबर पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के एडम जैम्पा भी नौवें स्थान पर मौजूद हैं।

## अमेरिकी संसद में 14 अप्रैल को 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने के लिए प्रस्ताव पेश

**वाशिंगटनः** भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति सहित 12 से अधिक सांसदों ने 14 अप्रैल को 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने को लेकर प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया है।

अमेरिका के विकास में सिख समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए प्रस्ताव में अमेरिका को सशक्त बनाने और यहां के नागरिकों को प्रेरित करने में सिख समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के तौर पर 'राष्ट्रीय सिख दिवस' घोषित करने का समर्थन किया गया है। सांसद मैरी गेल सानलोन 28 मार्च को सदन में पेश किए गए प्रस्ताव की प्रस्तावक हैं, जबकि केरेन बास, पॉल टोंको, ब्रायन के. फित्ज़पैट्रिक, डेनियल म्यूज़र, एरिक स्वालवेल, राजा कृष्णमूर्ति, डोनाल्ड नॉरक्रॉस, एंडी किम, जॉन गारामेंडी, रिचर्ड ई नील, ब्रेंडन एफ. बॉयले और डेविड जी वालादाओ इसके सह-प्रस्तावक हैं। सिख कॉकस कमेटी, सिख को-ऑर्डिनेशन कमेटी और अमेरिकन सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एजीपीसी) ने प्रस्ताव का स्वागत किया है।

## रणनीतिक पेट्रोलियम रिज़र्व से प्रति दिन 10 लाख बैरल तक तेल छोड़ने का आदेश दे सकते हैं बाइडन

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन बढ़ती ऊर्जा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए देश के रणनीतिक पेट्रोलियम रिज़र्व से प्रति दिन 10 लाख बैरल तक तेल छोड़ने का आदेश देने की तैयारी कर रहे हैं। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने यह सूचना दी। ये कीमतें अमेरिका और उसके सहयोगियों के यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस पर कठोर प्रतिबंध लगाने के बाद बढ़ी हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि बाइडन गैस की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए अपने प्रशासन की योजनाओं पर एक बयान देंगे। इस दौरान ही इस संबंध में घोषणा की जा सकती है। नाम उजागर ना करने की शर्त पर उस व्यक्ति ने बताया कि कितने समय तक यह सेवा जारी रहेगी यह अभी तय नहीं किया गया है, लेकिन यह कई महीनों तक चल सकती है। गौरतलब है कि बुधवार को कच्चे तेल की कीमत लगभग 105 डॉलर प्रति बैरल थी, जो एक साल पहले लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल थी।

## शख्स को समुद्र किनारे सैर करते हुए मिला रहस्यमयी जीव, वीडियो को देख लोगों के उड़े होश

**सिडनीः** सोशल मीडिया पर इनदिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें ऑस्ट्रेलिया के समुद्र तट पर एक जीव देखा गया। इस रहस्यमयी जीव को देखकर लोग हैरान रह गए। इस जीव को सबसे पहले एलेक्स टैन नाम के एक शख्स ने देखा था, जिन्होंने

जीव का वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि इस जीव के चार पैर हैं। सिर से लगभग सारा मांस निकल चुका है और खोपड़ी दिख रही है।

एक पूंछ है और पूरा शरीर फूला हुआ है। देखने में यह किसी रेंगने वाले जीव जैसा है। वहीं जीव के पूरे शरीर पर कोई बाल नहीं है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मुझे एक बेहद अजीबोगरीब चीज मिली। ये लगभग उन चीजों में से है, जिसे अब तक लोग एलियन कह चुके हैं। ये एक मरे हुए जीव का शव है, जो कुछ दिनों पहले मरा होगा, क्योंकि शव पूरी तरह से फूला हुआ है। इस वीडियो को देख हर कोई हैरान है। लोगों का कहना है कि इस तरह का जीव उन्होंने पहली बार देखा है। वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

# आर्मी चीफ बाजवा से इमरान की मुलाकात पर बोले सूचना मंत्री फवाद-'लगता 1992 का वर्ल्ड कप मैच चल रहा'

**इस्लामाबादः** पाकिस्तान की इमरान खान सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई हैं। आज यानि गुरुवार 31 मार्च को इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पाकिस्तानी संसद में बहस होनी है।

इससे पहले शाम को सेना प्रमुख बाजवा ने इमरान खान के घर जाकर उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद इमरान ने देश के संबोधन वाला कार्यक्रम रद्द कर दिया था। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान आर्मी चीफ ने इमरान खान को इस्तीफा देने के लिए कहा है।

इस बीच पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सेना प्रमुख द्वारा प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्तीफा देने के लिए कहने संबंधी खबरों को खारिज कर दिया है। चौधरी ने सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और इमरान खान के बीच हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर कहा कि दोनों के बीच ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई।

जनरल बाजवा और इमरान खान के बीच हुई बैठक की पुष्टि करते हुए कहा, 'न तो सेना प्रमुख ने उनका इस्तीफा मांगा है और न ही वह इस्तीफा देंगे।' हालांकि, चौधरी ने इस बैठक के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इंकार कर दिया। बाजवा और इमरान की मुलाकात पर मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि ये 1992 वर्ल्ड कप जैसा मैच लग रहा है, लग रहा है कि हम नहीं जीत पाएंगे लेकिन आखिरी बाजी हम ही पलटेंगे। बुधवार शाम पाकिस्तानी सरकार में मंत्री फवाद चौधरी ने मीडिया से कहा कि इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार पाकिस्तानी सेना के 'महत्व को पहचानती है'।

फवाद चौधरी ने कहा, 'इस वक्त जो हालात हैं, ऐसा लग रहा है कि 1992 वर्ल्ड कप का मैच हो। ऐसा लग रहा है कि हम पीछे हैं लेकिन ऐसा है नहीं।

अभी आप देखेंगे कि मैच पलटेगा और आखिरी बाजी हम ही जीतेंगे। फवाद चौधरी का यह बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में पाकिस्तानी सेना के सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम से मुलाकात के कुछ घंटों बाद आया है।

# अमेरिका का दावा- रूसी राष्ट्रपति को नहीं अपनी सेना पर भरोसा, गुमराह महसूस कर रहे पुतिन

**वाशिंगटन।** व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिका को जानकारी मिली है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सेना पर भरोसा नहीं रहा और वह खुद को सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन युद्ध एक रणनीतिक भूल है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केट बेडिंगफील्ड ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं यह कह सकती हूं कि, निश्चित रूप से, हमारे पास जानकारी है कि पुतिन रूसी सेना द्वारा गुमराह किया हुआ महसूस कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुतिन और उनके सैन्य नेतृत्व के बीच लगातार तनाव बना हुआ है।'

उन्होंने कहा, ''हमारा मानना ??है कि पुतिन को उनके सलाहकारों द्वारा इस संबंध में गलत सूचना दी जा रही है कि रूसी सेना कितना खराब प्रदर्शन कर रही है और रूसी अर्थव्यवस्था

को प्रतिबंधों से कैसे पंगु बनाया जा रहा है, क्योंकि उनके वरिष्ठ सलाहकार उन्हें सच बताने से बहुत डरते हैं।' बेडिंगफील्ड ने कहा, ''इसलिए, यह तेजी से स्पष्ट होता जा रहा है कि पुतिन का युद्ध एक रणनीतिक भूल है, जिसने रूस को लंबे समय के लिए कमजोर बना दिया है और विश्व मंच पर वह अलग-थलग पड़ गया है।' इसके साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि राष्ट्रपति जो बाइडन रूस में शासन परिवर्तन की नीति की वकालत नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, '' कुछ दिन पहले उन्होंने जो कहा था वह स्वाभाविक आक्रोश से भरा बयान था, हमारे पास शासन परिवर्तन की औपचारिक नीति नहीं है। हम केवल रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने पर जोर दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि रूस अपनी गलती का परिणाम भुगते।

पुतिन ने खुद भी कहा है कि प्रतिबंधों का प्रभाव काफी अधिक होगा। इसलिए, हम यूक्रेन को सुरक्षा सहायता प्रदान करने और रूस पर महत्वपूर्ण प्रतिबंध लगाने की अपनी रणनीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।' गौरतलब है कि बाइडन ने पिछले सप्ताह एक भाषण में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बारे में कहा था कि ''यह शख्स सत्ता में नहीं रह सकता।' इसके बाद, व्हाइट हाउस और अन्य अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया था कि बाइडन असल में पुतिन को बेदखल करने के बारे में बात नहीं कर रहे थे।

## ब्लिंकन-जयशंकर ने यूक्रेन में बिगड़ती मानवीय स्थिति व हिंद-प्रशांत पर की चर्चा

**न्यूयार्कः** अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने क्षेत्रीय प्राथमिकताओं की समीक्षा करने, यूक्रेन में बिगड़ती मानवीय स्थिति और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से फोन पर बात की। विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने बताया कि दोनों नेताओं ने ''यूक्रेन में बिगड़ती मानवीय स्थिति तथा स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के हमारे साझा प्रयासों समेत क्षेत्रीय प्राथमिकताओं की समीक्षा करने के बारे में बातचीत की।'पिछले महीने भी ब्लिंकन ने जयशंकर के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी और यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने के लिए एक मजबूत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर बल दिया था।

## भारत से समुद्री सुरक्षा समझौतों से श्रीलंका को कोई खतरा नहीं, दोनों देशों के रिश्तों की जा रही गलत व्याख्या

**कोलंबो।** श्रीलंका सरकार ने कहा है कि भारत के साथ हाल में जिन समुद्री सुरक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, उनसे द्वीपीय राष्ट्र की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। उसने कहा कि देश के कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा भारत-श्रीलंका संबंधों की गलत व्याख्या की जा रही है।

इस सप्ताह यहां भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के दौरे के दौरान 'समुद्री बचाव समन्वय केंद्र' की स्थापना को लेकर एक समझौता हुआ था। रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया, कि इस केंद्र की स्थापना, क्षेत्र में संचालित हो रहे पोतों के संकट में पड़ने पर उनकी तलाश और बचाव के लिए बेहद अहम है।

इससे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों के अनुपालन के साथ पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। बयान में कहा गया कि श्रीलंका के तलाशी एवं बचाव (एसएआर) क्षेत्र में वाणिज्यिक

पोतों के समुद्री परिचालन के लिए श्रीलंकाई नौसेना उत्तरदायी है।

बयान में भारत की ओर से मुफ्त 'फ्लोटिंग डॉक' सुविधा का भी जिक्र किया गया। श्रीलंका ने कहा कि भारत के साथ हुए समझौतों से श्रीलंकाई सुरक्षा में कोई रुकावट तक पैदा नहीं होगी।

## सीपीईसी की आड़ में अल्पसंख्यक लड़कियों की तस्करी कर रहे चीनी, ईसाई समुदाय से जुड़ी युवतियां बन रहीं शिकार

**इस्लामाबाद।** चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से जुड़ी परियोजनाओं के लिए चीनी कमगारों का आना बढ़ गया है। इसी के साथ देश की लड़कियां, खासकर अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय से जुड़ी, मानव तस्करी का निशाना बन रही हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इन्हें चीन भेजा जा रहा है। चीनी कामगारों का यहां आना आसान है। कुछ काम करने के लिए आते हैं और पाकिस्तानी लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर शादी कर लेते हैं। हालांकि यह गैरकानूनी नहीं है। कुछ अन्य चीनी फर्जी कंपनियों से जारी कागजात लेकर या कारोबार के नाम पर पाकिस्तान आते हैं। इनका मकसद अपने लिए दुल्हन खरीदना होता है। 'सीपीईसी की आड़ में दुल्हनों की तस्करी' शीर्षक रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान में दुल्हन की कीमत भारतीय मुद्रा में ढाई लाख से चार लाख रुपये तक है।

गरीब पाकिस्तानी परिवारों के लिए यह काफी बड़ी रकम है। हाल ही में, पाकिस्तान में मुस्लिम लड़कियों के गैरमुस्लिम पुरुषों से शादी करने पर शरिया कानून के तहत पाबंदियां लागू की गई हैं। इससे दुल्हन खरीदने आए गैरमुस्लिम चीनियों के लिए समस्या हो गई। ऐसे में उनके निशाने पर ईसाई लड़कियां आ गईं। ईसाई कार्यकर्ताओं के मुताबिक, पंजाब के गुजरांवाला से हर साल 750 से 1000 लड़कियां चीनी खरीदकर ले जा रहे हैं। बिकने वाली लड़कियां चीनी भाषा नहीं जानतीं। उन्हें चीनी संस्कृति के बारे में भी कोई जानकारी नहीं होती। रिपोर्ट में इन लड़कियों से गाली-गलौज, दुर्व्यवहार, घरेलू हिंसा और जबरन मां बनाने के कई उदाहरण दिए गए हैं।

**शादी के नाम पर विदेश ले जाकर कराते हैं वेश्यावृत्ति**

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ मामलों में तो शादियां पूरी तरह दिखावटी हैं। चीनी पत्नी नहीं, बल्कि खूबसूरत महिलाओं की तलाश में रहते हैं। उन्हें चीन ले जाकर वेश्यावृत्ति कराई जाती है। खबरें तो यहां तक हैं कि पाकिस्तानी महिलाओं को चीन ले जाकर हत्या कर उनके अंग बेच दिए जाते हैं। हालांकि चीनी अधिकारी इसका जोरदार खंडन करते हैं।

# युद्ध : अब तक 40 लाख ने यूक्रेन छोड़ा, रूसी सेना के लौटने पर संदेह, जेलेंस्की बोले- यूक्रेनियों को नौसिखिया न समझें

**कीवः** संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी का कहना है कि रूसी हमले के बाद अब तक 40 लाख से अधिक लोग यूक्रेन से पलायन कर गए हैं, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े शरणार्थी संकट में नया मील का पत्थर है। शरणार्थियों के लिए यूएन के उच्चायुक्त ने एक वेबसाइट पर पोस्ट किया कि 40.1 लाख लोग यूक्रेन से भाग चुके हैं। उनमें से 23 लाख ने पोलैंड में प्रवेश किया है।

**यूक्रेन में रूस के सेना घटाने के संकल्प पर संदेह**

रूस-यूक्रेन में 35वें दिन भी जहां युद्ध जारी है वहीं एक दिन पूर्व रूस द्वारा कीव-चेर्निहीव से सेना घटाने की घोषणा के बीच युद्ध विराम की उम्मीद भी जगी रही है। उन्होंने कहा, सकारात्मक संकेत हैं लेकिन ये संकेत रूसी गोलों के धमाके शांत नहीं कर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी कहा कि हम रूसी घोषणा पर यूक्रेनी फौज अब भी कीव-चेर्निहीव में रूसी बलों से कई मोर्चों पर संघर्ष कर

बैठक को रूसी अफसरों ने सकारात्मक बताया है। हालांकि, दोनों पक्ष युद्धविराम पर सहमत नहीं हैं, लेकिन रूसी प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने कहा, राजनयिक समाधान के लिए तुर्की में चल रही रूस-यूक्रेन प्रतिनिधिमंडल की

**युद्धविराम नहीं : रूस**

यूक्रेन के साथ जारी शांति वार्ता के बारे में मॉस्को के प्रमुख वार्ताकार ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन में सैन्य अभियानों को घटाने का रूस का वादा युद्धविराम नहीं है। उन्होंने कहा, इसके लिए कीव के साथ औपचारिक समझौते पर बातचीत को अभी और लंबा रास्ता तय करना है।

**जेलेंस्की बोले, यूक्रेनी लोगों को नौसिखिया न समझें**

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा, यूक्रेनी लोगों को नौसिखिया न समझें। हमले के 34 दिनों में और दोनबास के पिछले आठ वर्षों के युद्ध से हम सीख चुके हैं कि सिर्फ एक ही चीज पर भरोसा किया जा सकता है और वह है ठोस परिणाम।

**भारत की रूस-यूक्रेन वार्ता में 'उद्देश्यपूर्ण सहमति' की अपील**

भारत ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी जल्द सहमति बन सकती है। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा, भारत मौजूदा हालात पर बहुत चिंतित है। उन्होंने यूक्रेन में मानवीय स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग के दौरान यूक्रेन में सशस्त्र संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में निर्बाध रूप से मानवीय मदद पहुंचाने की भारत की मांग को दोहराया।

**यूक्रेन को सैन्य मदद जारी रखेगा अमेरिका**

बाइडन के साथ सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने एक साझा प्रेसवार्ता में कहा कि हम यूक्रेन पर रूसी हमले की कड़ी निंदा करते हैं और अमेरिका यूक्रेनी सेना को रक्षा के लिए सैन्य मदद मुहैया कराना जारी रखेगा। उन्होंने कहा, बड़े और छोटे सभी देशों की संप्रभुता, राजनीतिक स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना

## कांगो में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाः आठ शांति सैनिकों की मौत पर एंटोनियो गुटेरेस ने जताया दुख, कहा- चल रही जांच

**संयुक्त राष्ट्रः** संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में संयुक्त राष्ट्र के आठ शांति सैनिकों की मौत पर ट्वीट कर शोक व्यक्त किया। ये घटना हुई थी। आठ शांति सैनिकों की मौत पर दुख जताते हुए उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना की जांच चल रही है। वहीं, इस घटना को लेकर गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान दिया था। इसमें उन्होंने कहा था कि कांगो गणराज्य के उत्तरी किवु प्रांत में दुर्घटनाग्रस्त हुए प्यूमा हेलीकॉप्टर में सवार 8 शांति सैनिकों की मौत की पुष्टि करते हुए महासचिव को गहरा दुख हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर त्शानजू में एक मिशन पर था। इस इलाके में हाल के दिनों में 23 मार्च मूवमेंट (एम-23) विद्रोही समूहों और कांगो सेना के बीच झड़पें हुई थी। इस दुर्घटना में मारे गए शांति सैनिकों में 6 सैनिक पाकिस्तान के थे और

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

# इमरान का आरोप, नवाज शरीफ की साजिश से विदेशी इशारे पर आया अविश्वास प्रस्ताव

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में प्रस्तावित चर्चा से पहले इमरान ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (नेशनल सिक्योरिटी कमेटी) की आपात बैठक बुलाई। सरकार के प्रमुख मंत्रियों व सैन्य अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधानमंत्री इमरान खान ने सुरक्षा समिति को बताया कि उनके खिलाफ आया अविश्वास प्रस्ताव विदेशी इशारे पर आया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को इस साजिश के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में चर्चा व मतदान के लिए स्वीकार किया जा चुका है। गुरुवार शाम

इस पर चर्चा शुरू होने से पहले इमरान ने सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाकर सबको चौंका दिया। सुरक्षा मसलों पर समन्वय की सबसे बड़ी समिति की अध्यक्षता प्रधानमंत्री इमरान खान ने की और समिति में शामिल प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, सेना प्रमुख व खुफिया अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। इस दौरान इमरान ने बताया कि उनके खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव के पीछे विदेशी षड्यंत्र है। बैठक के बाद पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने बताया कि विदेशी ताकतों के उस पत्र पर समिति में चर्चा हुई, जो सरकार को गिराने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेता इस साजिश में शामिल हैं।